दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 125 | ग्वालियर, रविवार 10 मई 2020 | पृष्ठ: 08- मूल्य: 2 रु.

गुजरात में कोरोना वायरस के 394 नए केस

अहमदाबाद में संक्रमण से 20 और लोगों की मौत

नई दिल्ली। गुजरात में शनिवार को और 394 व्यक्तियों के कोरोना वायरस संक्रमित पाये जाने के बाद राज्य में मरीजों की संख्या 7,797 हो गई है। 23 और मरीजों की मौत के साथ ही राज्य में मरने वालों की संख्या 472 हो गई। प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) जयंती रवि ने बताया कि शुक्रवार शाम के बाद से 24 घंटे कोविड-19 के 23 मरीजों की मौत हो गई जो पिछले सात दिनों में 24 घंटे के अंदर मौत का सबसे कम आंकड़ा है। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस के 219 मरीजों को स्वस्थ होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गयी और इस तरह अबतक 2091 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। राज्य में कोविड-19 के 5234 मरीज अब भी अस्पताल भर्ती हैं। अबतक 1,09,650लोगों का परीक्षण किया गया है। अकेले अहमदाबाद में कोविड-19 संक्रमण के 280 नए मामले सामने आने के बाद शनिवार को संक्रमितों की संख्या बढ़कर 5,540 हो गई है। साथ ही 20 और लोगों की मौत के बाद मृतकों की तादाद 363 तक पहुंच गई है। राज्य की प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) जयंती रवि ने कहा कि बीते 24 घंटे के दौरान अहमदाबाद के विभिन्न अस्पतालों से 106 लोगों को छुट्टी दी गई है। जिसके बाद छुट्टी पाने वाले लोगों की तादाद 1,107 हो गई है। एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया के नेतृत्व में विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम ने शहर के विभिन्न अस्पतालों का दौरा किया और स्थानीय चिकित्सा टीमों को बताया कि कोविड-19 मृत्यु दर कैसे कम की जा सकती है।

चीन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल

600 अरब डॉलर हर्जाने की मांग

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी फैलाने के आरोप को लेकर चीन से 600 अरब डॉलर हर्जाना वसूलने के लिए केंद्र सरकार को अंतरराष्ट्रीय अदालत (आईसीजे) जाने के निर्देश संबंधी याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है। तमिलनाडु के मदुरै निवासी के. के. रमेश ने केंद्र सरकार को चीन से हर्जाना वसूलने के लिए हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के निर्देश देने का न्यायालय से अनुरोध किया है। याचिकाकर्ता ने कानून मंत्रालय, स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय को इसमें पक्षकार बनाया है। याचिका में कहा गया है कि इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि कोरोना वायरस की उत्पत्ति वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी से हुई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि उसने शीर्ष अदालत का रूख इसलिए किया है, क्योंकि एक नागरिक आईसीजे में याचिका दायर नहीं कर सकता। याचिकाकर्ता के अनुसार, चीन जानबूझकर भारत और पूरी दुनिया को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है कि वायरस की उत्पत्ति जैविक बाजार से हुई है, जबकि इस बात के सबूत हैं कि दुनिया भर में शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं को कमजोर करने के लिए यह एक जैविक या रासायनिक युद्ध है।

द्वितीय विश्व युद्ध विजय दिवस: पीएम मोदी ने रूस को दी बधाई, कहा- हजारों भारतीय सैनिकों ने भी दिया था बलिदान

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने द्वितीय विश्व युद्ध के 75वें विजय दिवस पर रूस को बधाई दी है। पीएम मोदी ने कहा कि इस मौके पर भारत आज रूस के साथ खड़ा है। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हजारों भारतीय सैनिकों के बलिदान को भी याद किया। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, 75वें विजय दिवस पर भारत रूस के साथ खड़ा है। द्वितीय विश्व युद्ध में हजारों भारतीय सैनिकों ने भी बलिदान दिया था। राष्ट्रपति पुतिन और रूस के लोगों को इस मौके पर मेरी शुभकामनाएं। गौरतलब है कि रूस और पूर्व सोवियत गणराज्यों में हर वर्ष 9 मई का दिन द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इससे पहले शुक्रवार को ब्रिटेन में द्वितीय विश्व युद्ध में यूरोपीय देशों की जीत की 75वीं वर्षगांठ मनाई गई। युद्ध में ब्रिटिश सेना की ओर से लड़ते हुए शहीद हुए लगभग 87 हजार भारतीयों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत में ब्रिटेन का राज था। उस दौरान भारतीय सेना में लगभग 25 लाख जवान थे, जो कि सेना के इतिहास में सैनिकों की सर्वाधिक संख्या है।8 मई 1945 को नाजी जर्मनी ने औपचारिक रूप से आत्मसमर्पण कर दिया था, जिसके साथ ही यूरोप में द्वितीय विश्व युद्ध का अंत हो गया था।

कांग्रेस पार्टी को झटका: ईडी ने अटैच की एजेएल की

16.38 करोड़ रुपए की संपत्ति, आदेश में मोती लाल वोरा का भी नाम

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को कहा कि इसने कांग्रेस पार्टी की ओर से प्रवर्तित एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और कांग्रेस पार्टी के नेता मोती लाल वोरा की 16.38 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी किया है। एक मनी लॉन्ड्रिंग केस में यह कार्रवाई की गई है। ईडी ने कहा कि कुर्क की गई संपत्ति मुंबई में 9 मंजिला इमारत है, इसमें दो बेसमेंट भी हैं और 15 हजार स्क्वायर मीटर में बना हुआ है। इसकी कुल कीमत 120 करोड़ रुपए है। इसमें से 16.38 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। इमारत बांद्रा ईस्ट में ईपीएफ ऑफिस, कला नगर के पास प्लॉट नंबर 2 और सर्वे नंबर 341 पर है। एजेंसी ने कहा कि इस केस में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और मोती लाल वोरा हैं। एजेंसी ने कहा कि हरियाणा के पंचकुला में अवैध रूप से आवंटित भूमि पर दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर स्थित सिंडिकेट बैंक ब्रान्च से लोन लिया गया और इससे बांद्रा में यह इमारत खड़ी की गई। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएल) के तहत प्रोविजनल अटैचमेंट आदेश एजेएल और मोती लाल वोरा के नाम जारी किया गया

है। वोरा एजेएल के प्रबंधकीय निदेशक हैं। एजेएल, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं द्वारा नियंत्रित है, जिसमें गांधी परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। यह समूह नेशनल हेराल्ड अखबार चलाता है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अपराध के धन से अर्जित 16.38 करोड़ रुपये कीमत की संपत्ति जब्त की गई है। इससे पहले पंचकुला के प्लॉट को भी ईटी ने अटैच किया था। हुड्डा और वोरा से पूछताछ भी की गई थी। पंजकूला के सेक्टर 6 में प्लॉट सी-17 को पहली बार 1982 में हरियाणा सरकार ने आवंटित किया था।

क्या है एजेए-नेशनल हेराल्ड अखबार की स्थापना 1938 में जवाहरलाल नेहरू ने की थी। उस समय से यह अखबार कांग्रेस का मुखपत्र माना जाता रहा। अखबार का मालिकाना हक एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड यानी एजेएल के पास था। आजादी के बाद 1956 में एसोसिएटेड जर्नल को अव्यवसायिक कंपनी के रूप में स्थापित किया गया। वर्ष 2008 में एजेएल के सभी प्रकाशनों को निलंबित कर दिया गया और कंपनी पर 90 करोड़ रुपए का कर्ज भी चढ़ गया। कांग्रेस नेतृत्व ने यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड नाम की एक नई अव्यवसायिक कंपनी बनाई जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित मोतीलाल वोरा, सुमन दुबे, ऑस्कर फर्नांडिस और सैम पित्रोदा को निदेशक बनाया गया। नई कंपनी में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पास 76 प्रतिशत शेयर थे जबकि बाकी के 24 प्रतिशत शेयर अन्य निदेशकों के पास थे।

शराब मिलना इतना आसान कहां...

ई-टोकन मिलने के बाद भी करना होता है लंबा इंतजार

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के मद्देनजर सोशल डिस्टेंसिंग को सुनिश्चित करने और शराब की दुकानों पर भीड़ को रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने ई-टोकन सेवा शुरू की है, जिसमें लोगों को किसी भी नजदीकी दुकान पर शराब खरीदने के लिए एक निर्धारित समय दिया जाएगा, उसी समय पर उन्हें शराब के लिए जाना होगा। मगर दिक्कत ये है कि लोगों को शराब पाने के लिए तीन-तीन दिनों तक का लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। दरअसल, दिल्ली सरकार ने ई-टोकन व्यवस्था तो शुरू कर दी है और शनिवार से बेबसाइट भी चलनी शुरू हो गई है, मगर जैसी भीड़ शराब की दुकानों के बाहर जुटती थी उसका असर टोकन व्यवस्था में भी देखने को मिल रहा है। एक शख्स को कई शराब की दुकानों में नंबर आने में तीन से चार दिन का समय लग रहा है। एक उपभोक्ता ने अपना ई-टोकन की जानकारी साझा की है, जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे आज यानी 9 मई को शराब के लिए उसने अप्लाई किया है, मगर उसे 12 मई की तारीख दी गई है। बता दें कि दिल्ली सरकार ने ई-टोकन सेवा शुरू करने का यर फैसला लोगों को लंबी कतारों से बचाने के लिए लिया है। अगर आप भी शराब खरीदना चाहते हैं, तो आपको वेबसाइट पर जाकर दुकान पर शराब खरीदने के लिए जाने का समय लेना होगा। आपको दुकान पर जाने के समय का एक ई-टोकन आपके मोबाइल पर भेजा जाएगा। निर्धारित समय के बीच आप दुकान पर जाएं और आपको शराब खरीदने के लिए लंबी लाइन नहीं लगानी पड़ेगी। वेब लिंक पर अपना नाम और मोबाइल नंबर के साथ अपने नजदीकी शॉप का पता सहित नाम अंकित करना होगा।

औरंगाबाद रेल हादसा: जीतेजी स्पेशल ट्रेन से तो नहीं जा सके, मगर उनका शव जरूर चला गया

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के औरंगाबाद से मध्य प्रदेश घर जाने के लिए प्रवासी मजदूरों को जब कोई बस या ट्रेन नहीं मिली तो वो रेलवे ट्रैक पर ही पैदल घर जाने के लिए निकल गए। उन्हें नहीं पता था कि यह उनका आखिरी सफर है। करीब 35 किलोमीटर पैदल चलने के बाद वो रेलवे ट्रैक पर ही लेट गए। थकान इतनी थी कि नींद की वो झपकी आ गई, जिससे 16 मजदूर कभी जाग ही नहीं सके। मालगाड़ी की चपेट में आने से मरने वाले 16 मजदूरों को घर जाने के लिए तो ट्रेन नहीं मिली पर अब उनके शवों को ले जाने के लिए विशेष ट्रेन का इंतजाम किया गया। औरंगाबाद से विशेष ट्रेन से मजदूरों के शव शुक्रवार रात को उनके घर लिए भेज दिए गए हैं। औरंगाबाद से घर वापसी की ओर कदम बढ़ा रहे ये प्रवासी मजदूर 35 किलोमीटर पैदल चले थे, मगर रास्ते में चलते-चलते उन्हें थकावट महसूस हुई और पटरी पर ही झपकी लेने लगे। मगर उन्हें कहां पता था कि उनकी ये झपकी, मौत में बदल जाएगी। 35 किलोमीटर चलने के बाद ये सभी मजदूर पटरी पर ही आराम करने लगे। सुबह करीब सवा पांच बजे के वक्त ये सभी गहरी नींद में सो रहे थे। तभी ट्रेन आती है

और इन्हें रौंद डाला।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने औरंगाबाद में हुए हृदय विदारक ट्रेन हादसे में मृत 16 श्रमिकों के शव मध्यप्रदेश लाने के संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और रेलमंत्री से बात कर ट्रेन की व्यवस्था करवाई थी। मृत श्रमिकों के शव ट्रेन से जबलपुर लाए जाएंगे। जबलपुर से इनके शव उनके गृह स्थान भेजे जाएंगे। ट्रेन औरंगाबाद (महाराष्ट्र) से चलेगी। मुख्यमंत्री चौहान ने राज्य सरकार की ओर से एक दल मंत्री नीना सिंह के नेतृत्व में औरंगाबाद गए है। मध्य प्रदेश सरकार ने घायल व्यक्तियों की सहायता के लिए एक-एक लाख रुपये देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री चौहान दुर्घटना में दिवंगत श्रमिकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश पहले ही दे चुके हैं। उन्होंने कहा, इस दुखद घड़ी में शोकाकुल परिवार स्वयं को अकेला नहीं समझे, मैं और मेरी पूरी सरकार आपके साथ खड़ी है। इस हादसे का शिकार हुए लोगों की धन सिंह गोंड, निरवेश सिंह गोंड, बुद्धराज सिंह गोंड, रबेंद्र सिंह गोंड, सुरेश सिंह कोल, राज बोहरम, पारस सिंह, धर्मेंद्र सिंह गोंड, दयाल सिंह, अच्छे लाल सिंह, बिगेंद्र सिंह, चैन सिंह, प्रदीप सिंह गोंड, संतोष नापित, बृजेश, भइयादीन, मुनीम सिंह, शिवरतन सिंह, नेमशाह सिंह, दीपक सिंह और अशोक सिंह गोंड के तौर पर पहचान हुई है। इस हादसे में सज्जन सिंह, माखन सिंह धुर्वे, इंद्रलाल, कमल सिंह धुर्वे, वीरेंद्र सिंह, चेन सिंह गौर और शिवमान सिंह और हिरालाल गौर सुरक्षित हैं।

स्वास्थ्य को लेकर अफवाहों को अमित शाह ने किया खारिज, बोले- मैं स्वस्थ हूं, किसी बीमारी से पीड़ित नहीं

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को उन सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया, जो उनके स्वास्थ्य को लेकर फैलाई जा रही थीं। उन्होंने कहा, पिछले दिनों से कुछ मित्रों की ओर से सोशल मीडिया के माध्यम से मेरे स्वास्थ्य के बारे में कई मनगढ़ंत अफवाहें फैलाई जा रही हैं। यहां तक कि कई लोगों ने मेरी मृत्यु के लिए भी ट्वीट कर दुआ मांगी है। अमित शाह ने आगे कहा, देश इस समय कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से लड़ रहा है और देश के गृह मंत्री के नाते देर रात तक अपने कार्यों में व्यस्त रहने के कारण मैंने इन सब पर ध्यान नहीं दिया। जब यह मेरे संज्ञान में आया तो मैंने सोचा कि यह सभी लोग अपने काल्पनिक सोच का आनंद लेते रहें, इसलिए मैंने कोई स्पष्टता नहीं की। उन्होंने कहा, परंतु मेरी पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं और मेरे शुभचिंतकों ने विगत दो दिनों से काफी चिंता व्यक्त की, उनकी चिंता को मैं नजरअंदाज नहीं कर सकता। इसलिए, मैं आज स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं पूर्ण रुप से स्वस्थ हूं और मुझे कोई बीमारी नहीं है।

लोगों को मौत की नींद सुलाता जा रहा कोरोना फ्रांस में मरने वालों का आंकड़ा 26 हजार के पार

नई दिल्ली। फ्रांस में पिछले 24 घंटे में हुई 243 मौतों के बाद देश में कोविड-19 संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हजार 230 हो गई है। वहीं, अस्पतालों और इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में भर्ती लोगों की संख्या में कमी देखी गई है। हेल्थ मिनिस्ट्री ने इस बात की जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने हेल्थ मिनिस्ट्री द्वारा शुक्रवार को जारी प्रेस रिलीज के हवाले से कहा, ÷अब तक 16 हजार 497 मरीजों की अस्पताल में और 9 हजार 733 मरीजों की नर्सिंग होम व अन्य कम्युनल लिविंग इंस्टीट्यूशन में मौत हो चुकी है।

पति को आया गुस्सा तो पीट-पीटकर की पत्नी और बेटे की हत्या, फिर...

बीकानेर(राजस्थान)। राजस्थान के बीकानेर जिले के बिलनियासर गांव में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और 11 साल के बेटे की कथित तौर पर पीट-

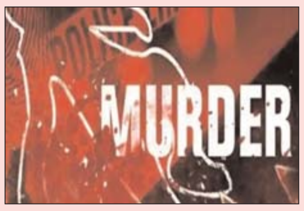

पीट कर हत्या कर दी और इसके बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना जसरासर पुलिस थाना क्षेत्र के बिलनियासर गांव के उपस्वास्थ्य केन्द्र परिसर की है। जसरासर पुलिस थाना प्रभारी उदयपाल सिंह ने बताया कि सुमन (35) बिलनियासर गांव के उप स्वास्थ्य केन्द्र में एएनएम के पद पर कार्यरत थी। वह अपने 11 वर्षीय बेटे के साथ यहां सरकारी मकान में रहती थी। उसका पति सुरेश झुंझुनूं से करीब दो माह पहले ही यहां आया था। उन्होंने कहा, प्राथमिक जांच के अनुसार शुक्रवार रात को पति-पत्नी के बीच कहा-सुनी हो गई। पति ने संभवत-गुस्से में आकर पत्नी एवं बेटे की कथित तौर पीट-पीट कर हत्या कर दी। उसने बाद में फांसी के फंदे से लटक कर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मृतकों के परिजनों को घटना के बारे में सूचित कर दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

कोरोना के लक्षण नहीं तो 10 दिन बाद अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड-19 मरीजों के अस्पतालों से डिस्चार्ज को लेकर संशोधित डिस्चार्ज पॉलिसी जारी की है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार रात को कोरोना वायरस के हल्के लक्षणों वाले रोगियों डिस्चार्ज से संबंधित संशोधित पॉलिसी में कहा कि अगर मरीज में कोई लक्षण नजर नहीं आता है, तो उसे दस दिनों के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। इसमें यह भी कहा गया है कि डिस्चार्ज से पहले परीक्षण की कोई आवश्यकता नहीं होगी। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि कोरोना मरीजों को 7 दिनों के लिए अपने घर में खुद को आइसोलेट करने होगा। हालांकि, गंभीर मरीजों के लिए डॉक्टर ही फैसला लेंगे।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपनी नई पॉलिसी में कहा है कि ऐसे कोविड-19 मरीज जिनमें कोरोना के लक्षण हल्का या बहुत हल्के हैं, उन्हें कोविड केयर फैसिलिटी में रखा जाएगा। जहां उन्हें नियमित तापमान चेक और पल्स ऑक्सिमेट्री मॉनिटरिंग से गुजरना होगा। अगर तीन दिन तक बुखार नहीं आता है तो ऐसे मरीज को 10 दिन बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया जा सकता है।

उससे पहले मरीज को किसी जांच की जरूरत भी नहीं है। हालांकि, मरीज को 7 दिन तक होम आइसोलेशन में रहना होगा। इसके अलावा, डिस्चार्ज से पहले अगर किसी प्वाइंट पर ऑक्सीजन सैचुरेशन 95 फीसदी से नीचे जाता है तो मरीज को डेडिकेटेड कोविड हेल्थ सेंटर ले जाया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय की नई डिस्चार्ज पॉलिसी के मुताबिक, अगर किसी शख्स को अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद बुखार, खांसी या सांस लेने जैसी परेशानी होती है, तो वह कोविड केयर सेंटर, राज्य के हेल्पलाइन नंबर या 1075 पर संपर्क कर सकता है। अस्पताल से डिस्चार्ज हुए लोगों की 14 वें दिन टेली-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से स्वास्थ्य जांच फिर की जाएगी। आगे बताया गया है कि थोड़े गंभीर लक्षण वाले मरीजों को डेडिकेटेड कोविड हेल्थ सेंटर भर्ती कराया जाएगा, जहां उसे ऑक्सीजन के बिस्तर पर रखा जाएगा। वहीं, कोरोना के गंभीर मरीजों पर उपरोक्त नियम नहीं लागू होंगे। ऐसे कोरोना मरीज जो ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं, उन्हें क्लिनिकल सिम्प्टम्स दूर होने के बाद ही डिस्चार्ज किया जाएगा। वही मरीज डिस्चार्ज होंगे, जो लगातार 3 दिन तक ऑक्सीजन सैचुरेशन मेंटेन कर पाएंगे। इसके अलावा एचआइवी और अन्य गंभीर बीमारियों वाले मरीजों को क्लिनिकल रिकवरी और आरटी-पीसीआर टेस्ट में नेगेटिव आने के बाद ही डिस्चार्ज किया जाएगा।

दैनिक
पुष्पांजली टुडे

मिला-जुला

ग्वालियर, रविवार, 10 मई 2020

लॉक डाउन का सख्ती से पालन कराओ, स्क्रीनिंग और सेम्पलिंग में लाओ तेजी

- मंत्री ने उज्जैन के जन-प्रतिनिधियों और अधिकारियों से वीडियों कॉलिंग से की समीक्षा

भोपाल

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा गृह मंत्री. डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने उज्जैन में कोरोना संक्रमण के रोकथाम के लिए निर्देशित किया कि प्रशासन लॉक डाउन का पालन सख्ती से कराना सुनिश्चित करवायें। उन्होंने कोरोना संक्रमित हॉटस्पॉट वाले क्षेत्रों में स्क्रीनिंग व सेम्पलिंग के कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। डॉ. मिश्रा शुक्रवार को वीडियो कॉलिंग से उज्जैन के जन-प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ कोरोना संक्रमण के बचाव व रोकथाम की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने उज्जैन कलेक्टर को राशन के पर्याप्त बंदोबस्त करने और जनसेवकों की पास संबंधी समस्याओं का त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान क्षेत्रीय सांसद अनिल फिरौजिया ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों से राशन वितरण की व्यवस्था सुद्दढ़ करवाने की बात कही। विधायक पारसचन्द्र जैन ने बताया कि आर्डी गार्डी मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने की आवश्यकता है, जिससे कोरोना संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित किया जा सके। विधायक मोहन यादव ने बताया कि कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के स्थानांतरण से व्यवस्थाओं में सुधार होगा। कलेक्टर आशीष सिंह के आने के बाद से राहत सामग्री वितरण कार्य में तेजी आई है। विधायक बहादुर सिंह चौहान ने आशा व्यक्त की कि उज्जैन में कोरोना रिकवरी रेट जल्द ही ठीक हो जाएगा। विधायक रामलाल मालवीय ने जन-प्रतिनिधियों के साथ जिला प्रशासन की आपदा प्रबंधन की बैठक करवाने का अनुरोध किया। विधायक मुरली मोरवाल ने बड़नगर एसडीएम को लॉक डाउन का पालन सख्ती से कराने का निर्देश देने का अनुरोध किया।

सभी के सहयोग से ही कोरोना को हराएंगे

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने शुक्रवार को इँडियन बैंक के द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 25 लाख रुपए का चैक भेंट करने पर प्रशंसा की। मंत्री डॉ. मिश्रा ने सराहना करते हुए कहा कि इससे कोरोना संकट से आम व्यक्ति को राहत प्रदान करने में सरकार को सहायता मिलेगी। उन्होने कहा कि संकट की इस घड़ी में विभिन्न शासकीय, अशासकीय, स्वयंसेवी संस्थानों और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के द्वारा किया जा रहा ये योगदान सरकार को प्रोत्साहित भी करता है और बेहतर कार्य करने के लिये प्रेरक साबित होता है।

प्लाज्मा डोनेशन सराहनीय कदम

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने इंदौर में पदस्थ आईपीएस अधिकारी आदित्य मिश्रा से वीडियो कॉलिंग से उनके स्वास्थ्य का हाल-चाल जाना। उन्होंने श्री मिश्रा द्वारा प्लाजमा डोनेशन के कार्य की सराहना करते हुए बधाई दी। मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि यह एक सराहनीय कार्य है। इससे कोरोना वायरस से पीड़ित मरीजों के उपचार में मदद मिलेगी। आई पी एस मिश्रा कोरोना संक्रमण से हाल ही में स्वस्थ हुए हैं। मंत्री डॉ मिश्रा की पहल पर कुछ दिन पहले ही मध्य प्रदेश में प्लाज्मा थेरेपी के ट्रायल की अनुमति मिली हैं । अब तक 4 मरीज अरविंदो मेडीकल कॉलेज इंदौर से ठीक होकर अपने घर लौट चुके हैं। मिश्रा ने आदित्य मिश्रा से कहा कि आप अन्य लोगों के अंदर भी इसी तरह के भाव पैदा करें कि वे अपना प्लाज्मा डोनेट करें। साथ ही इस बीमारी को लेकर जनमानस में व्याप्त भ्रांतियों को रोकने के लिए स्वप्रेरणा से समाज को दिशा देने का काम करें।

| 24 सीटों में 16 सीटें ग्वालियर-चंबल इलाके की हैं, जहां सिंधिया का प्रभाव |

उपचुनाव में कांग्रेस 15 माह और भाजपा 15 साल का लगाएगी दम

- दोनों ही दलों जीत दर्ज करने के लिए राजनीतिक जमीन तैयार करने में जुटे

भोपाल

प्रदेश भले ही कोरोना महामारी के बड़े संकट के दौर से गुजर रहा है, लेकिन सूबे में भाजपा और कांग्रेस में सियासी लड़ाई अनवरत जारी है। इसकी वजह है प्रदेश की 24 सीटों पर निकट भविष्य में होने वाले उपचुनाव। इसके चलते ही दोनों दल एक-दूसरे के खिलाफ हमलावर बने हुए हैं। दोनों ही दलों द्वारा जीत दर्ज करने के लिए अपनी-अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने का काम भी तेजी से किया जा रहा है। कांग्रेस ने चुनाव के दौरान जहां अपने पंद्रह माह के कामकाज का बखान करने की योजना बनाई है तो वहीं भाजपा ने भी कांग्रेस के वचन-पत्र को मुद्दा बनाकर घेरने की रणनीति तैयार की है। भाजपा इस दौरान खासतौर पर वचन-पत्र में किसान कर्ज माफी कर्मचारियों से किए गए वादों और भ्रष्टाचार जैसे मामलों को आगे करने की तैयारी कर रही है। इस दौरान कांग्रेस 15 साल बनाम 15 माह के कामकाज को जनता के सामने रखेगी। यही नहीं, कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ आक्रमक रुख अपनाने का भी फैसला किया है। गौरतलब है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने 22 समर्थक विधायकों के साथ बगावत कर कांग्रेस की कमल नाथ सरकार गिरा दी थी। इन 22 विधायकों के इस्तीफे और दो विधायकों के निधन से रिक्त सीटों पर उप चुनाव होना हैं। कुल 24 सीटों में 16 सीटें ग्वालियर-चंबल इलाके की हैं, जहां सिंधिया का प्रभाव है।

कांग्रेस के वचन का भुनाएगी भाजपा

भाजपा अब चौतरफा कांग्रेस के वचनपत्र को मुद्दा बनाने की तैयारी कर रही है। सिंधिया के करीबी भाजपा नेता पंकज चतुर्वेदी का कहना है कि मध्य प्रदेश में सिंधिया के प्रभाव में 15 वर्षों बाद कांग्रेस की सरकार बनी लेकिन उसकी विदाई सिर्फ इसलिए हुई क्योंकि वह वचन-पत्र पूरा करने में असफल रही। कांग्रेस सरकार ने कार्यकताओं का अपमान किया और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया लेकिन राज्य की जनता अब सब कुछ जान गई है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सत्ता में वापसी की सबसे बड़ी वजह मंदसौर में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की वह जनसभा थी जिसमें उन्होंने सरकार बनने के दस दिनों के भीतर किसानों का दो लाख तक का कर्ज माफ करने की घोषणा की थी। इसके बाद कांग्रेस के पक्ष में माहौल बन गया था लेकिन, सरकार बनने के बाद नाथ सरकार करीब डेढ़ साल में सभी किसानों का कर्ज माफ करने में असफल रही।

कांग्रेस उठाएगी कर्जमाफी का मुद्दा

कमलनाथ ने खुद कहा कि पहले चरण में 50 हजार तक के कर्ज माफ हुए हैं और दूसरे चरण में एक लाख तक के कर्ज माफ होंगे, लेकिन यह दूसरा चरण आया ही नहीं। इसी तरह करीब पौने तीन लाख संविदाकर्मियों के स्थायीकरण और 75 हजार लिपिकों के वेतनमान संबंधी वादे भी हवा हवाई साबित हुए। अब पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ इस बात की सफाई दे रहे कि उन्हें काम करने का समय नहीं मिला।

15 माह की सरकार में तीन माह तक लोकसभा चुनाव की आचार संहिता में ही निकल गए। जाहिर है कि उपचुनाव में वह यही रट लगाएंगे लेकिन, भाजपा उन्हें घेरने का ताना-बाना तैयार करने लगी है।

सिंधिया पर भी रहेगा दबाव

पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को इस समय यह कहकर बच निकलने का मौका है कि कमलनाथ सरकार ने उनकी अनदेखी की लेकिन, अब भाजपा में वह प्रभावी भूमिका में हैं तो वचन पत्र के उन मुद्दों पर अमल कराने का उन पर भी दबाव रहेगा। भाजपा के रणनीतिकार कांग्रेस के वचन पत्र को निभाने में कितनी रुचि लेंगे, यह तो भविष्य में ही पता चलेगा लेकिन, इतना संकेत जरूर है कि शिवराज सिंह चौहान कोई ऐसा जोखिम नहीं लेना चाहते जिसे भविष्य में पूरा करने में दिक्कत हो। राजनीति के मंजे खिलाड़ी सिंधिया भी खुद को जनता की कसौटी पर खरा साबित करने का उपक्रम तलाश रहे हैं।

किताब में होगी उपलब्धियों की जानकारी

कांग्रेस उपचुनाव के दौरान उपलब्धियों पर आधारित एक किताब का भी वितरण कराने की योजना पर काम कर रही है, जिसमें कांग्रेस सरकार के 15 माह के दौरान प्रदेश की जनता की बेहतरी के लिए शुरू की गई योजनाओं की जानकारी होगी। इसके अलावा पार्टी का पक्ष रखने के लिए जिला स्तर और विधानसभा स्तर पर प्रवक्ताओं की टीम भी तैयार की जा रही है।

कोरोना संकट के बीच प्रदेश में उपचुनाव की तैयारियां शुरू

- 15 कलेक्टरों को आयोग को मिला पत्र
- प्रदेश की 24 सीटों पर होना है निर्वाचन

कोरोना संकट के बीच प्रदेश में उपचुनाव की आहट है। 24 विधानसभा सीटों पर जल्द ही उपचुनाव कराए जाने के संकेत चुनाव आयोग ने दिए हैं। इसको लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने 15 जिलों के कलेक्टरों को चिट्ठी लिखकर चुनाव आचार संहिता संबंधी नियमों का पालन कर्मचारियों के स्थानांतरण और पदस्थापना के मामले में करने के निर्देश दिए हैं। इन विधानसभा क्षेत्रों में साल से जमे अफसरों को हटाया जाएगा। जिन जिलों में उप चुनाव होना है उसमें सबसे अधिक मुरैना जिले की है ये हैं जौरा, सुमावली, मुरैना, दिमनी और अंबाह सीटें हैं। जबकि भिंड में मेहगांव, गोहद, ग्वालियर जिले में ग्वालियर, ग्वालियर पूर्व और डबरा, दतिया में भांडेर, शिवपुरी में करैरा और पोहरी, अशोकनगर में अशोकनगर, गुना में गुना, सागर में सुरखी अशोक नगर में बामोरी, अनूपपुर जिले अनूपपुर, रायसेन में सांची, इंदौर में सांवेर, देवास में हाटपीपल्या, मंदसौर जिले में सुवासरा धार में बदनावर, आगर मालवा जिले में आगर विधानसभा सीटे उपं चुनाव के लिए रिक्त हैं। इसमें जौरा और आगर सीट पर विधायकों के निधन के कारण जबकि बाकी 22 सीट पर कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे से उपचुनाव की स्थिति बनी है।

24 सीटः 6 रेड और 9 ऑरेंज जोन में

इंदौर जिले की सांवेर विधानसभा देवास जिले की हाटपिपल्या, धार की बदनावर और ग्वालियर जिले में ग्वालियर, ग्वालियर पूर्व और डबरा शामिल हैं।

ऑरेंज जोन :

मुरैना जिले की जौरा, सुमावली, मुरैना, दिमनी और अंबाह,सागर जिले में सुरखी, रायसेन जिले में सांची,मंदसौर जिले में सुवासरा और आगर मालवा जिले में आगर विधानसभा शामिल हैं।

ग्रीन जोन :

भिंड में मेहगांव, गोहद, दतिया जिले में भांडेर, शिवपुरी जिले में करैरा और पोहरी, अशोकनगर जिले में अशोकनगर, गुना जिले में गुना और बामोरी, अनूपपुर जिले में अनूपपुर में उपचुनाव होना है।

सीईओ ने लिखा पत्र

प्रभारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अरुण कुमार तोमर ने कलेक्टरों को लिखे पत्र में कहा है कि कर्मचारियों की पदस्थापना और स्थानांतरण के मामले में 29 जून 2017 और मार्च 2019 के आचार संहिता संबंधी निदेर्शों का पालन सख्ती से किया जाए। पहले से तय मतदान केंद्रों में अगर किसी तरह के परिवर्तन की स्थिति है तो उसकी पड़ताल कराने का काम जिला निर्वाचन अधिकारी पूरा करने कर लें ताकि जब आयोग तारीखों की घोषणा करे तो किसी तरह की दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

आर्थिक सेहत सुधारने बांड्स का सहारा लेगी सरकार

- राज्य सरकार ने केंद्र को अपनी सिफारिशें भी भेजी

भोपाल

गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रही प्रदेश सरकार अब राशि जुटाने के लिए लंबी अवधि के लिए बांड्स जारी करने की तैयारी कर रही है। यह कदम सरकार द्वारा प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों के लिए गठित टास्क फोर्स की अनुशंसाओं के आधार पर उठाया जा रहा है। यही नहीं राज्य सरकार ने केंद्र को अपनी सिफारिशें भी भेज दी हैं।

इसमें 20 से 30 वर्षों के लिए बांड्स के माध्यम से अतिरिक्त संसाधन जुटान, वित्तीय घाटे (फिजिकल डेफिसीट) को पूरा करने के लिए ऋण लेने की सीमा 3.5 से बढ़ाकर 5 फीसदी करने, ओपन मार्केट को सफल बनाने व 2560 करोड़ रुपए की तदर्थ (एडहॉक) डब्ल्यूएमए सीमा को बगैर ब्याज के स्वीकृत करने व ओवर ड्राफ्ट की सीमा को 50 से बढ़ाकर 72 दिवस करने की मांग की गई है। मुख्यमंत्री ने आर्थिक संकट से निपटने के लिए गठित समिति की अनुशंसाओं पर अधिकारियों के साथ लंबी चर्चा भी की है। उन्होंने सेक्टर वार अनुशंसाओं पर की गई कार्रवाई की भी जानकारी ली।

सेक्टर वार कुछ अनुशंसाएं

टास्क फोर्स ने कृषि, उद्यानिकी, एमएसएमई आदि के लिए गठित 25 फीसदी का अतिरिक्त ऋण सीमा तथा एमसीएलआर पर विशेष ऋण स्वीकृत करने की अनुशंसा की गई है। इसके अलावा पीएम योजना में अतिरिक्त सहायता, नाबार्ड, सिडबी को उपलब्ध कराई गई पुर्नवर्तित सुविधा को समान दर अथवा न्यूनतम मार्जिन पर उपलब्ध कराने और एमएसएमई को मॉडिटोरिम अवधि के ब्याज माफ करने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा भी कई तरह की और अनुशंसाएं की गई है।

यह उठाए कदम

राज्य सरकार जरूरतमंदों को रोजगार देने के साथ ही उद्योग के लिए रियायती प्रावधान करने, महिलाओं को मास्क निर्माण जैसे कार्यों से जोड़ने के लिए जीवन शक्ति योजना का निर्माण कर चुकी है।

प्रदेश के 15 हजार पुलिसकर्मी होंगे मानसेवी पदोन्नत

- मिलेगी सभी सुविधाएं, लगा सकेंगे फित्ती और स्टार

भोपाल

चार वर्ष पदोन्नति की राह देख रहे पुलिस कर्मियों के लिए अच्छी खबर है। आरक्षक से लेकर उप निरीक्षक स्तर तक के पुलिस कर्मियों को मानसेवी पदोन्नति देने का प्रस्ताव पुलिस मुयालय ने राज्य सरकार को भेज दिया है। आरक्षक से प्रधान आरक्षक, प्रधान आरक्षक से एएसआई, एएसआई से एसआई और एसआई से इंसपेटर को मानसेवी पदोन्नत देने की तैयारी कर ली गई है। पदोन्नति से 15000 से अधिक रिक्त पदों को भरा जाएगा। दो दिन पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने पुलिस मुख्यालय में अधिकारियों की बैठक लेकर पदोन्नति का रास्ता भोजने के निर्देश दिए थे और तय किया गया था कि वरिष्ठता के आधार पर मानसेवी पदोन्नति दी जा सकती है। इससे शासन पर कोई अतिरिक्त भार भी नहीं आएगा और पुलिस विभाग को जांच कर्ता अधिकारी भी मिल जाएंगे।

मिलेंगे जांच के अधिकार

अब इन सभी मानसेवी पदोन्नत पुलिसकर्मियों को सभी प्रकार की सुविधाएं मिलेगी। क्रमोन्नति उन्हें पहले से ही मिल चुकी है। इस कारण वेतन पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। मानसेवी पदोन्नति के बाद आरक्षक से प्रधान आरक्षक बने पुलिसकर्मी फित्ती लगा सकेंगे और उन्हें जांच के अधिकार भी मिलेंगे। प्रधान आरक्षक से एएसआई, एएसआई से एसआई और एसआई से इंस्पेक्टर बने पुलिसकर्मी स्टार बढ़ाकर लगा सकेंगे।

वरिष्ठता को मानेंगे आधार

चूंकि सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नति पर रोक लगी है। इसलिए इस पदोन्नति को वरिष्ठता में शामिल नहीं किया जाएगा। पदोन्नति वरिष्ठता के आधार पर होगी। पदोन्नति से स्टे हटने के बाद नियमानुसार नियमित पदोन्नति दी जाएगी। जानकारी के अनुसार 7272 आरक्षक, प्रधान आरक्षक, 4903 प्रधान आरक्षक, एएसआई, 1772 एएसआई एसआई और 1064 एसआई को इंस्पेक्टर के पद पर मानसेवी पदोन्नति दी जाएगी।

विवशः घर पहुंचाओ नहीं तो करो दो जून रोटी का इंतजाम

- कहा प्रशासन नहीं कर रहा फंसे हुए मजदूर व छात्र-छात्राओं की सुनवाई

भोपाल

लॉकडॉउन के कारण राजधानी में फंसे हुए लोगों को घर तक पहुंचाने के लिए सरकार व प्रशासन की उपेक्षा विंध्य क्षेत्र के लोगों के लिए आक्रोश का कारण बन गई है। वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई मीटिंग के माध्यम से जुड़े जरूरतमंदों की यह बात शुक्रवार सामने आई। यह मीटिंग सामाजिक कार्यकर्ता व प्रदेश कांग्रेस महासचिव पवन पटेल के तत्वाधान में दोपहर आयोजित की गई थी, जिसमे सैकड़ा भर से अधिक छात्र, मजदूर और राजधानी में फंसे जरूरतमंद शामिल हुए। दरअसल रीवा तथा शहडोल संभाग के कई छात्र मजदूर और परेशांन जनता भोपाल में लॉक डाउन के कारण फंसे हुए है और अब उनके पास खाने-पीने तथा जरुरत का सामान भी नहीं है। स्थानीय प्रशासन से मदद नही मिलने के कारण कईयों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा पारिवारिक परेशानी और अस्वस्थता के चलते घर पहुचाना अति आवश्यक मान रहे है क ई पास नही मिलने के कारण यह समस्या अधिक बढ गई है। लिहाजा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और कलेक्टर भोपाल तरुण पिथौडे से मांग की गई है कि रेवांचल एक्सप्रेस को एक दिन के लिए चलाया जाय या बस का प्रबंध किया जाय। जिससे यह सभी सकुशल घर पहुंच सकें। इसके साथ यह मांग की गई है कि व्यवस्था नहीं तक सौपी गई सूची के अनुसार सभी के भोजन आदि का प्रबंध किया जाय। बताया जाता है कि इस ऑनलाइन मीटिंग में शामिल होकर जरूरतमंदों की व्यथा सुनकर निराकरण करने के लिए मुख्यमंत्री और कलेक्टर भोपाल को भी शामिल होने का आमंत्रण दिया गया था, लेकिन उनकी तरफ से न ही कोई जबाव आया और न ही उनका कोई प्रतिनिधि इसमें शामिल हुआ। यह बात जरूर है कि इसमें विंध्य क्षेत्र के प्रतिनिधि के नाते राज्य सभा सांसद राजमणि पटेल प्रमुख रूप से शामिल हुए और कहा कि छात्रों और परेशान जनता की आवाज को उठाते हुए रेल मंत्री भारत सरकार को और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ कलेक्टर भोपाल को पत्र लिख कर व चर्चा कर रेवांचल एक्सप्रेस चलाने की मांग की जा चुकी है। श्री पटेल ने यहां कहा की हर दुःख में वह छात्रों के साथ खड़े है उनका दुःख हमारा दुःख है। उन्होंने रेल मंत्री आदि से पुनः बात करने का आश्वासन दिया है। साथ ही इस बात पर असंतोष जताया है कि जरूरतमंदों को न तो ईपास मुहैया कराए गए हैं और न ही इनके लिए किसी तरह के सार्वजनिक वाहनों का इंतजाम ही किया जा रहा है। इतना ही नहीं जरूरतमंदों की लिस्ट मिलने के बाद प्रशासन द्वारा इनके लिए भोजन आदि की व्यवस्था करने की जरूरत भी अब तक महसूस नहीं की गई है।

दबाव की राजनीति पर उतर सिंधिया समर्थक

भोपाल। शिवराज मंत्रिमंडल विस्तार की सुगबुगाहट के बीच सिंधिया समर्थक नेता अब प्रेशर पॉलीटिक्स पर उतर आए हैं। सिंधिया समर्थक नेताओं ने कांग्रेस की परिपाटी अनुसार भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मिलकर खुद को मंत्री बनाने के लिए दावेदारी पेश करना तेज कर दिया है। इस बीच सिंधिया समर्थक मंत्री गोविंद सिंह राजपूत कल बीजेपी दफ्तर पहुंचे और प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा से मुलाकात कर, ज्योतिरादित्य सिंधिया को केंद्रीय मंत्री बनाने की पैरवी की। बाकी सिंधिया समर्थक पूर्व विधायकों ने भी मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश संगठन महामंत्री से मुलाकात कर मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने अपनी कोशिशें तेज कर दी हैं। इधर विधायकों ने भी मंत्री पद हासिल करने के लिए अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। तीन, चार और पांच बार के विधायक मंत्री बनने की प्रबल दावेदारी कर रहे हैं। सीधी जिले से विधायक केदारनाथ शुक्ला इसके पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलकर मंत्री पद का दावा पेश कर चुके हैं।

मदद — छात्रों और प्रवासी मजदूरों को पहुंच रही मदद

जरूरतमंदों तक पका भोजन और कच्चा राशन पहुंचा रही संस्था आवाज

- दिल्ली की संस्था गूँज ने की मदद से शहर के सबसे उपेक्षित तबके एलजीबीटीक्यू, एचआईव्ही पाजिटिव

भोपाल

कोरोना की विभीषिका के चलते भोपाल शहर के जरूरतमंदों की मदद के लिए सामाजिक संस्था आवाज सामने आई है। दिल्ली की संस्था गूँज के सहयोग से यह शहर के सबसे उपेक्षित तबके में सुमार एलजीबीटीक्यू, एचआईव्ही पाजिटिव, छात्रों और प्रवासी मजदूरों को पका भोजन और राशन मुहैया करा रही है।

संस्था के प्रशांत दुबे ने बताया कि वैसे तो आवाज समूह भोपाल के ऐशबाग की हिनौतिया बस्ती में फकीरी समुदाय और करोंद में गैस पीड़ित परिवारों के साथ काम करता है, पर कोरोंना वायरस की इस विपरीत घडी में यह शहर के सबसे वंचित और जरूरतमंद तबके को मदद पहुंचाने में जुट गई है। इसके अलावा संस्था बाहर से आये छात्रों को भी मदद उपलब्ध करा रही है। इतना ही नही आवाज नगर निगम और जिला प्रशासन के साथ मिलकर भी बस्तियों और अन्य जरूरतमंद जगहों के चिन्हांकन में भी शामिल हुई है।आवाज की टीम में रोली शिवहरे, अस्मा खान, गौरव म्हसे, विजय बघेल, गुंजन मेंदिरत्ता, सुभाष गर्ग, अंजुम बानो, प्रशांत दुबे, अर्शी कुरैशी, मेशरा खान और धनकुमारी थापा शामिल हैं।

बांट रहे है सेनेटाइजर व मास्क : संस्था आटा, चावल, दाल, तेल, नमक, मसाले, बच्चों के लिये बिस्किट, दूध पाउडर, शक्कर, चाय पत्ती आदि का वितरण कर रही है। इसके अलावा इसके द्वारा मास्क और सैनीटाईजर का भी वितरण किया जा रहा है। लगभग 200 परिवारों तक सूखा राशन पहुंचाने के साथ छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, बिहार, मप्र और झारखंड के प्रवासी मजदूरों के अलावा झारखंड, मणिपुर, बिहार के लगभग 50 छात्रों को भी सूखे राशन के पैकेट व भोजन के पैकेट बांटे गए हैं।

महाराष्ट्रः आंख खुली तो करीब रोटी और दूर लाशें दिखीं, सभी सरिया फैक्ट्री में काम करते थे, 45 दिनों से बेरोजगार थे

हादसे की आंखों देखीः 150 रोटियां और टिफिन में चटनी लेकर चले थे 20 मजदूर, 16 के लिए आखिरी सफर बना

- महाराष्ट्र सरकार ने सभी मृत मजदूरों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए के मुआवजे का ऐलान किया

औरंगाबाद ■ एजेंसी

जालना की एक सरिया फैक्ट्री। 45 दिन पहले लॉकडाउन के चलते यह बंद हो गई। रोज कमाने-खाने वाले मजदूरों को दो वक्त की रोटी के लाले पड़ गए। ज्यादातर यूपी, बिहार और मध्य प्रदेश के थे। नाम की जमापूंजी थी। किसी तरह महीनाभर काम चलाया। फिर सामाजिक संगठनों और सरकार के भरोसे। पेट भरने की ये मदद दो या तीन दिन में एक बार ही नसीब हो रही थी। इस बीच एक खबर आई। पता लगा कि सरकार दूसरे राज्यों के मजदूरों को घर भेजने के लिए औरंगाबाद या भुसावल से कोई ट्रेन चलाने वाली है। जालना से औरंगाबाद की दूरी 50 किमी है। मध्य प्रदेश के 20 मजदूर रेलवे ट्रैक से सफर पर निकल पड़े। पास कुछ था तो बस, 150 रोटियां और एक टिफिन चटनी। 16 के लिए यह यात्रा, अंतिम यात्रा साबित हुई।

सफर का सहारा : 150 रोटियां, टिफिन में चटनी

मजदूरों ने सोचा, घर पहुंच जाएंगे। गुरुवार शाम मिलकर 150 रोटियां बनाईं। एक टिफिन में चटनी भी थी। ताकि, सूखी रोटी मुंह से पेट तक का सफर आसानी से कर सके। कुछ देर बाद सब भुसावल के लिए निकल पड़े। सभी की उम्र 21 से 45 साल के बीच थी। कुछ शहडोल के थे तो कुछ कटनी के। औरंगाबाद जिले के करमाड तक पहुंचे तो रात गहरी हो चली थी। सोचा, खाना खाकर कुछ आराम कर लिया जाए।

सभी की नींद लग गई, कुछ की कभी नहीं खुलेगी

सज्जन सिंह इसी जत्थे में शामिल थे। वो बच गए। कहते हैं, भूख लगी थी साहब। ट्रैक पर ही बैठकर खाना खाने लगे। हमें वो साफ और सुरक्षित लगा। खाना खत्म हुआ। कुछ चाहते थे कि सफर फिर शुरू किया जाए। कुछ का दिल कर रहा था कि थोड़ा सुस्ता लिया जाए। सहमति आराम करने पर बनी। भूखे पेट को रोटी मिली थी। इसलिए, पटरी का सिरहाना और गिट्टियां भी नहीं अखरीं। सो गए। नींद खुली तो भयानक मंजर था। मेरे करीब इंटरलाल सो रहा था। उसने मुझे खींच लिया। मैं जिंदा हूं।

इसलिए हुई गलतीः सज्जन आगे कहते हैं, आंख खुली तो होश आया। देखा मेरा बैग ट्रेन में उलझकर जा रहा है। हमने सोचा था कि ट्रेनें तो बंद हैं। इसलिए, ट्रैक पर कोई गाड़ी नहीं आएगी। आसपास झाड़ियां थीं। लिहाजा, ट्रैक पर ही झपकी का ख्याल आया। ट्रेन जब रुकी तब तक तो सब खत्म हो चुका था। 16 साथियों के क्षत विक्षत शव ट्रैक पर पड़े थे। किसी को पहचान पाना मुश्किल था।

लोगों से मदद मांगीः सज्जन के मुताबिक, पहले तो लगा कि कोई बुरा सपना देखा है। पल भर में हकीकत पर यकीन हो गया। 20 में से चार जिंदा बचे। डर को थोड़ा दूर किया। ट्रैक से कुछ दूर बने एक घर पहुंचे। मदद मांगी। उन्होंने पानी पिलाया। फिर पुलिस को जानकारी दी।

अपनों का सामना कैसे करूंगा मैंः आधे घंटे बाद पुलिस पहुंची। उसने अपना काम शुरू किया। रुंधे गले को संभालकर और भीगी आंखों को पोंछकर वीरेंद्र शांत आसमान की तरफ देखते हैं। फिर कहते हैं, जिन लोगों के साथ कुछ घंटे पहले बैठकर रोटी खाई थी। अब उनकी लाशें मेरे सामने हैं। कुछ तो मेरे बहुत करीबी दोस्त थे। अब, क्या कहूंगा उनके घरवालों से?

चलती ट्रेन से कूदे पांच मजदूर, जवानों ने पकड़ क्वारैंटाइन कराया, अमृतसर से गोंडा जा रही थी श्रमिक एक्सप्रेस

शाहजहांपुर। देशव्यापी लॉकडाउन के फेज तीन में गैर राज्यों में फंसे मजदूरों को उत्तर प्रदेश विशेष श्रमिक एक्सप्रेस ट्रेनों से लाने का सिलसिला जारी है। इस बीच शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में एक बड़ा हादसा टल गया। यहां अमृतसर से गोंडा जा रही श्रमिक एक्सप्रेस ट्रेन से पांच मजदूर कूद गए। हालांकि, किसी को चोट नहीं आई है। जीआरपी ने पांचों मजदूरों को पकड़कर क्वारैंटाइन कर दिया है। ये मामला थाना सदर बाजार के रोजा जंक्शन का है। अमृतसर से मजदूरों को लेकर स्पेशल ट्रेन गोंडा जा रही थी। इसी ट्रेन में पांच मजदूर खुदागंज थाना क्षेत्र के रहने वाले सवार थे। सभी अमृतसर में रहकर मेहनत मजदूरी करके परिवार का पेट पाल रहे थे। लॉक डाउन होने के कारण वह फंस गए थे।

जीआरपी सीओ केके शुक्ल ने बताया- अमृतसर से गोंडा जा रही सुपरफास्ट विशेष ट्रेन आज सुबह 5 बजे रोजा पहुंची। ट्रेन को सीतापुर होकर जाना था। जब ट्रेन की रफ्तार कम हुई, तो शाहजहांपुर जिले में रहने वाले पांच मजदूर चलती ट्रेन से कूद गए। रोजा रेलवे पुलिस चौकी पर तैनात उप निरीक्षक विनोद तिवारी ने जब मजदूरों को ट्रेन से कूदते हुए देखा, तो उन्होंने पुलिस बल के साथ मिलकर उन्हें पकड़ लिया तथा हिरासत में ले लिया। मजदूरों को रोजा थाने के सुपुर्द कर दिया गया। इसके बाद उन्हें तिलहर थाना क्षेत्र में बने क्वारैंटाइन सेंटर भेज दिया गया।

राजस्थान में कोरोना से मौत की रफ्तारः पहली मौत के बाद 32 दिनों में गई थी 50 लोगों की जान, अब 11 दिनों में 100 पर पहुंचा आंकड़ा

- 26 मार्च को राजस्थान में कोरोना से एक दिन भीलवाड़ा मे दो की जान गई
- प्रदेश में 20 साल से कम उम्र के पांच लोगों की जान गई, इनमें 20 दिन का एक बच्चा भी

जयपुर। राजस्थान में शुक्रवार को मौत का कोरोना से मौत का आंकड़ा 100 पर पहुंच गया। 100वीं मौत अजमेर में हुई। यहां 65 साल के एक खानाबदोश व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। वह दो दिन पहले ही अजमेर के दरगाह के पास मिला था। यह इलाका संक्रमण का हॉट स्पॉट है। इसलिए, इसकी जांच कराई गई तो रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। राजस्थान में संक्रमण से पहली मौत 26 मार्च को भीलवाड़ा में हुई थी। यहां एक ही दिन में दो संक्रमितों की जान गई थी। इसके बाद से अब तक यानी 43 दिन में मौत का आंकड़ा 100 तक पहुंच गया।

राज्य में यूं बढ़ा मौत आंकड़ा

26 मार्च के बाद 17 दिन में यानी 12 अप्रैल तक संक्रमण से मौत का आंकड़ा 10 पर पहुंच गया। इसके बाद कोरोना से होने वाली मौतों में तेजी आने लगी। 18 अप्रैल को राज्य में मौत की संख्या 21 पहुंची। फिर 24 अप्रैल यानी महज 6 दिन में यह आंकड़ा 32 पर पहुंच गया। 22 अप्रैल को जयपुर में 4 लोगों की मौत हुई। इसके बाद 26 अप्रेल को राज्य में एक सात लोगों की मौत के साथ आंकड़ा 41 पर पहुंच गया। राज्य में अब तक सबसे ज्यादा मोतें 27 अप्रैल को हुई। इस दिन 9 कोरोना संक्रमित लोगों की मौत हुई। इसके बाद आंकड़ा 50 पहुंच गया। जो कि अब 8 अप्रैल को 100 पर पहुंच गया।

तीन गुनी रफ्तार से बढ़ी मौत

डराने वाली बात यह है कि राजस्थान में मौत का आंकड़ा करीब तीन गुना की रफ्तार से बढ़ा है। क्योंकि, 26 मार्च से 27 अप्रैल तक यानी 32 दिनों मे 50 लोगों की मौत हुई। वहीं, इसके बाद महज 11 दिन में मौत की संख्या 100 पर पहुंच गई। राज्य में हुई कुल मौतों में अब तक सबसे ज्यादा जयपुर में हुई है। अकेले जयपुर में 55 लोगों की संक्रमण से जान जा चुकी है। वहीं, जोधपुर में16, कोटा में 10, अजमेर में 3, की जान जा चुकी है।

उद्धव सरकार का ऐलान- फाइनल ईयर को छोड़कर यूनिवर्सिटी के बाकी छात्र बिना परीक्षा दिए अगली क्लास में प्रमोट होंगे

मुंबई। उद्धव सरकार ने कहा है कि लॉकडाउन के चलते फाइनल ईयर को छोड़कर यूनिवर्सिटी के बाकी छात्र बिना परीक्षा दिए अगली क्लास में प्रमोट होंगे। फाइनल ईयर के एग्जाम जुलाई में होंगे। वहीं, अलग-अलग देशों में फंसे भारतीयों की घर वापसी शुरू हो गई है। वंदे भारत मिशन के तहत लगभग 15 हजार भारतीयों को विशेष विमानों से यहां लाया जा रहा है। मुंबई के भी 1900 यात्री लौटेंगे। बीएमसी ने इन लोगों को क्वारैंटाइन करने के लिए शहर के 88 होटलों में 3343 कमरों का इंतजाम किया है। 7 मई से 64 स्पेशल फ्लाइट्स के जरिए देश के 14 हजार 800 लोगों को दुनियाभर के अलग-अलग देशों से वापस लाया जाएगा। महाराष्ट्र में गुरुवार को कोरोनावायरस के 1216 नए मामले सामने आए। 43 लोगों की मौत हुई। अकेले मुंबई में ही 692 मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई और 24 लोगों ने दम तोड़ा। राज्य में अब 17 हजार 974 संक्रमित हैं। इस बीमारी से 694 लोगों ने जान गंवाई है। लॉकडाउन की वजह से राज्य में फंसे मजदूरों को अपने गांव जाने के लिए रेल यात्रा से पहले मेडिकल सर्टिफिकेट देने की शर्त सरकार ने वापस ले ली है। इस बारे में गुरुवार को नए दिशा-निर्देश जारी किए गए। सरकार ने यह साफ किया है कि अब ट्रेन में चढ़ने से पहले ही मजदूरों की फ्री मेडिकल जांच की जाएगी। यह जांच सरकारी डॉक्टर करेंगे। इस जांच के बाद एक ट्रेन से जाने वाले सभी प्रवासी यात्रियों का एक ही मेडिकल सर्टिफिकेट बनेगा।

महाराष्ट्र में 43 और लोगों की मौत के बाद कोरोना से मरने वालों की संख्या 694 हो गई, इनमें 24 मौतें मुंबई में हुई

लॉकडाउन के बाद 42 दिनों के अंदर बढ़ गए 143 गुना कोरोना पॉजिटिव

शुरूआत में 48 और अब 8 दिन में आए 2000 कोरोना पॉजिटिव, कापसहेड़ा, मॉडल टाउन में मिले मरीजों की वजह से बढ़ी तादाद

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली में कोरोना पॉजिटिव मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं और आंकड़ा 5 हजार के पार पहुंच गया है। शुरूआत में मरीजों का आंकड़ा 2 हजार पहुंचने में 48 दिन लगे थे और अब 2 हजार मरीज 8 दिन में ही पहुंच गए। कोरोना मरीजों की संख्या 3 हजार से पांच हजार पहुंचने में सिर्फ 8 दिन का वक्त लगा है। 27 अप्रैल को कोरोना मरीजों की संख्या 3108 थी, जोकि 5 मई को बढ़कर 5104 पहुंच गई। यानी 8 दिन में करीब 2 हजार मरीजों की बढ़ोतरी हुई। लॉकडाउन के बाद 42 दिनों के अंदर ही 143 गुना कोरोना पॉजिटिव बढ़ गए। कोरोना के मरीजों की तादाद में बढ़ोतरी का बड़ा कारण हॉट-स्पॉट मिलना है। 3 मई को दिल्ली में एकसाथ 427 कोरोना मरीजों की पुष्टि हुई थी। ऐसा पहला बार हुआ था। इससे पहले 2 मई को 389 मरीजों का पता चला था। इस दिन कापसहेड़ा में 41, मॉडल टाउन में 13 और कैट्स कंट्रोल रूम के 15 कर्मचारियों में कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई थी। शुरूआत में मरीजों का आंकड़ा 2 हजार पहुंचने में 48 दिन लगे थे। 19 अप्रैल को कोरोना के मामले बढ़कर 2003 हुए थे। दो मार्च को दिल्ली में कोरोना के पहले मरीज की पुष्टि हुई थी। 11 अप्रैल को आंकड़ा 1069 पहुंचा था। एक हजार से दो हजार तक पहुंचने में सिर्फ 8 दिन लगे। 19 अप्रैल को कोरोना के मामले बढ़कर 2003 हुए थे। इसके बाद दो हजार से तीन हजार मामले पहुंचने में सिर्फ 8 दिन लगे और 27 अप्रैल को मामले बढ़कर 3108 हो गए।

मराठी एक्टर के साथ हुई अरुण गवली की बेटी की शादी पूर्व अंडरवर्ल्ड डॉन भी मास्क लगाकर आशीर्वाद देने पहुंचा

मुंबई ■ एजेंसी

लॉकडाउन के बीच पूर्व अंडरवर्ल्ड डॉन अरुण गवली उर्फ 'डैडी' की बेटी योगिता की शादी शुक्रवार को मराठी एक्टर अक्षय वाघमारे के साथ हुई। मुंबई की दगड़ी चॉल में सादगी से हुई इस शादी में अरुण गवली के अलावा दोनों परिवार के पांच-पांच लोग शामिल हुए। कोरोना संकट को देखते हुए दूल्हा-दुल्हन के साथ गवली ने भी मास्क पहना हुआ था।

पहले 29 मार्च को यह शादी मुंबई के एक फाइव स्टार होटल में होने वाली थी। परिवार को पुणे से मुंबई जाने की अनुमति मिली थी। मराठी फिल्मों के अभिनेता दादा कोंणके के परिवार से आने वाले अक्षय और गवली की बेटी योगिता की सगाई दिसंबर में हुई थी। अक्षय का परिवार पुणे में रहता है। पुणे पुलिस ने परिवार को मुंबई जाने की अनुमति दी थी। गवली परिवार ने पुलिस को शादी के बारे में सूचित किया था। पुलिस ने दोनों परिवारों की ओर से केवल पांच-पांच मेहमानों के शामिल होने की मंजूरी दी थी। इससे पहले अक्षय ने बताया था, 'हमने शादी के लिए पुलिस से अनुमति मांगी थी। वह ईमेल के जरिए मुझे मंगलवार रात को मिली। इसलिए जल्दी ही हमने शादी की तारीख 8 मई ही तय कर ली।' अक्षय के मुताबिक, लॉकडाउन खत्म होने के बाद रिसेप्शन देंगे। अक्षय ने कहा, 'मैं योगिता को पिछले पांच साल से जानता हूं। हमारे घरवालों ने भी कहा कि हमें शादी कर लेनी चाहिए। हम दोनों काफी खुश हैं।'

अरुण गवली की जिंदगी पर बनी हैं कई फिल्में

दूध बेचने के कारोबार से जुड़े रहे अरुण गवली कभी अंडरवर्ल्ड सरगना दाउद इब्राहिम के लिए भी काम करते थे। हालांकि, भाई की हत्या के बाद गवली ने खुद का एक गैंग बनाया। 1993 में मुंबई बम धमाकों के बाद दाऊद को देश छोड़ना पड़ा था। इसके बाद मुंबई में काफी समय तक अंडरवर्ल्ड में गवली का नाम चला। बताया जाता है कि गवली अपना धंधा मुंबई की दगड़ी चाल से चलाता था। उसकी लाइफ पर हिन्दी और मराठी भाषा में कई फिल्में भी बनी हैं। साल 2017 में आई अर्जुन रामपाल की फिल्म 'डैडी' गवली के जीवन पर आधारित थी। इसके अलावा कुछ मराठी फिल्में भी उन पर बनी हैं। पेशे से वकील योगिता अरुण गवली की सबसे छोटी बेटी है। वे एक एनजीओ भी संचालित करती हैं। योगिता की बड़ी बहन गीता गवली राजनीति में हैं। वहीं भाई महेश गवली का रियल स्टेट का बिजनेस है। मुंबई में शिवसेना के पार्षद कमलाकर जामशांडेकर की हत्या में 2012 से सजा काट रहे अरुण गवली इसी साल 27 फरवरी को पैरोल पर बाहर आए थे। शादी की तारीख आगे बढ़ने पर उनकी तरफ से बॉम्बे हाई कोर्ट में पैरोल की अवधि बढ़ाने की अर्जी दी गई।

पाकिस्तान मौलवी बोले, 40 फीसदी से कम अल्कोहल वाली शराब पी सकते हैं, मचा बवाल

इस्लामाबाद। विवादास्पद पाकिस्तानी मौलवी मुफ्ती अब्दुल क्यावी की उनके हाल के इस बयान को लेकर आलोचना हुई है कि 40 फीसद से कम अल्कोहल वाली शराब हलाल है। क्यावी ने हाल ही एक साक्षात्कार में कहा था कि मैं समझता हूं कि 40 फीसद से कम अल्कोहल वाली शराब हलाल है.... यानी कि आप उसे पी सकते हैं। उनसे सऊदी अरब में मौलवियों द्वारा कथित रूप से जारी इस फतवे के बारे में उनकी राय पूछी गयी थी कि 40 फीसद या उससे कम कम अल्कोहल वाली शराब हलाल (मान्य) है। क्यावी ने यह भी कहा कि मैं तो यह भी कहूंगा कि खनिजों जैसे स्पीरिट, पेट्रोल और अन्य चीजों से बनी शराब शत प्रतिशत हलाल है। उन्होंने कहा कि यदि तंबाकू वाले पान को हमारे मौलवियों द्वारा चबाया जाना हलाल है तो मैं कहना चाहूंगा कि आधुनिक शराब भी हलाल है। पाकिस्तान टुडे की एक खबर के अनुसार कराची बिनोरिया मदरसे के प्रमुख मुफ्ती नईम ने क्यावी की राय से असहमति प्रकट की और कहा कि शराब के बारे में उनकी टिप्पणी गलत है और प्रत्येक दूसरे संप्रदाय की मान्यता के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि शराब की एक बूंद भी साफ पानी से भरे घड़े को अशुद्ध बना देती है और सभी उलेमाओं की इस पर यही राय है।

तबाही का चक्रव्यूह रच रहा तानाशाह? सैटेलाइट तस्वीरों में खुलासा

उत्तर कोरिया बना रहा बड़ा परमाणु गोदाम

नई दिल्ली। उत्तर कोरिया एक विशाल स्टोरेज केंद्र का निर्माण कर रहा है, जिसका उपयोग परमाणु हथियारों को रखने और परीक्षण करने के लिए किया जा सकता है। राजधानी प्योंगयांग के पास स्थित सिल-ली में इस केंद्र का निर्माण किया जा रहा है। यह खुलासा उपग्रह से ली गई तस्वीरों से हुआ। यह केंद्र इस साल के अंत में या 2021 की शुरुआत में तैयार हो जाएगा। इसका इस्तेमाल किम जोंग उन द्वारा देश के परमाणु हथियारों के भंडार को बचाने और बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। यह किम और अमेरिका की वार्ता विफल होने के बाद किया जा रहा है।

अमेरिकी सेंटर ने ली तस्वीरें- अमेरिका के सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज ने कहा कि इस सुविधा का निर्माण 2016 में शुरू हुआ था, जब उत्तर कोरिया, अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल बनाने में जुटा था। 1980 में बनाए गए एक अंडरग्राउंड हैंगर के आसपास ही नया निर्माण किया है। यहां पहले सिल-ली गांव हुआ करता था। हाल ही में किम जोंग का नया वीडियो के सामने आने के बाद उन चर्चाओं को बल मिल रहा है, जिसमें दिखाई दे रहा शख्स किम नहीं बल्कि उनका हमशक्ल है। हाल में किम की मौत की अफवाह उड़ी थी, जिसके बाद उत्तर कोरिया की मीडिया ने किम की नई तस्वीरें और वीडियो जारी किया था। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार किम जोंग उन अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों में हमशक्लों का इस्तेमाल करते रहे हैं। इससे पहले 2017 में भी एक वीडियो सामने आया था, जिसमें किम अपने दो हमशक्लों के साथ मिसाइल का परीक्षण देख रहे थे।

बयानबाजी — वॉशिंगटन पोस्ट और न्यूयॉर्क टाइम्स के पत्रकारों को 2018 में मिला था पुलित्जर पुरस्कार

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अखबारों से 2018 में मिले पुलित्जर पुरस्कार लौटाने के लिए कहा और पत्रकारों को चोर बताया

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन अखबारों को पुलित्जर पुरस्कार लौटा देना चाहिए, जिन्होंने अमेरिकी चुनावों में रूस के हस्तक्षेप की कवरेज की थी। उन्होंने सारी खबरों को गलत बताते हुए पत्रकारों को चोर कहा है। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में ट्रम्प ने रिपोर्टरों से कहा, वे पत्रकार नहीं हैं। वे चोर हैं। वे सभी पत्रकार जिनको पुलित्जर पुरस्कार मिला है, उन्हें पुरस्कार लौटाने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए, क्योंकि वे सभी गलत थे। आपने आज देखा, और दस्तावेज सामने आ रहे हैं, जिनसे पता चलता है कि चुनावों में रूस के साथ कोई मिलीभगत नहीं थी। उन्होंने यह बात तब कही जब न्याय मंत्रालय ने उनके पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जनरल माइकल फ्लिन (रिटायर्ड) के केस को खत्म करने की घोषणा की है। फ्लिन पर रूसी हस्तक्षेप के मामले में ही जांच चल रही थी। ट्रम्प ने आगे कहा, पुलित्जर पुरस्कार जरूर लौटा देने चाहिए, क्योंकि आपको पता है ये गलत काम पर दिए गए हैं। वे सभी गलत खबरें थीं। इसलिए ये पुरस्कार तुरंत पुलित्जर कमेटी को लौटा देने चाहिए। ये वापस नहीं होंगे तो यह पुलित्जर पुरस्कारों का अपमान होगा। पुलित्जर पुरस्कार उन लोगों को मिलना चाहिए जिन्होंने सही खबर दी थी और मैं आपको उन नामों की भी लंबी सूची दे सकता हूं, और आपको पता होगा कि मैं किसकी बात कर रहा हूं। ट्रम्प ने कहा, माइकल फ्लिन बेकसूर थे। वे बहुत सज्जन हैं, ओबामा एडमिनिस्ट्रेशन ने उन्हें इसलिए निशाना बताया ताकि राष्ट्रपति को नीचे गिराया जा सके।

बिडेन पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली टारा रेड ने कहा- राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी छोड़ दें

वाशिंगटन। जो बिडेन पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली टारा रेड ने बिडेन से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी छोड़ने को कहा है। टारा का कहना है कि ऐसे चरित्र वालों को राष्ट्रपति पद के लिए दावा नहीं पेश करना चाहिए। पॉलीग्राफी टेस्ट (झूठ पकड़ने वाले टेस्ट) कराने के सवाल पर टारा ने कहा, 'मैं इसके लिए तैयार हूं, लेकिन पहले बिडेन का टेस्ट कराना चाहिए। दरअसल, गुरुवार को एक क्लिप रिलीज की गई। इसमें पत्रकार मेगन केली से टारा रेड कहती हैं, 'जो बिडेन, प्लीज आगे बढ़ें और जवाबदेही तय करें। आपको संयुक्त राज्य के राष्ट्रपति पद के लिए इस तरह का कैरेक्टर लेकर आगे नहीं बढ़ना चाहिए।' बिडेन के कैंप के डिप्टी मैनेजर ने बयान जारी कर इन आरोपों को गलत बताया है। टारा रेड ने मार्च में आरोप लगाया था कि 27 साल पहले बिडेन ने उनका यौन शोषण किया था। टारा ने कहा था कि 1993 में वो सीनेट ऑफिस में काम करती थीं। इस दौरान कैपिटल हिल ऑफिस के बेसमेंट में बिडेन ने उनका यौन उत्पीड़न किया था। उन्होंने तब शिकायत भी दर्ज कराई थी। यह आरोप बिडेन के राष्ट्रपति पद के प्रचार अभियान में सबसे बड़ा झटका है। हालांकि, बिडेन ने आरोप से इनकार किया है।

कोरोना पर अमेरिका से तकरार के बीच चीन को मिला दोस्त का साथ, तानाशाह किम जोंग उन ने भेजा वाहवाही संदेश

बैंकॉक। कोरोना वायरस पर अमेरिका से तरकार के बीच चीन को एक तरह से उसके दोस्त का साथ मिला है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी को नियंत्रण में लाने में सफलता के लिए चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक निजी संदेश भेजा है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया में यह खबर तब आई है, जब दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने आकलन किया कि इस महामारी से पहले से ही जर्जर उत्तर कोरिया की अर्थव्यवस्था और बदतर हो गई है। उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को लेकर अमेरिका की अगुवाई में अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहा है और इसके चलते उसकी आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि किम ने संदेश में शी को बधाई देते हुए इस अभूतपूर्व वैश्विक महामारी के खिलाफ युद्ध जीतने के लिए उनकी अत्यधिक प्रशंसा की। यह स्पष्ट नहीं है कि यह संदेश कब भेजा गया। किम जोंग उन का यह संदेश इसलिए भी खास है क्योंकि किम जोंग उन की हाल ही में बीमार होने की खबर आई थी और फिर चीन ने अपनी मेडिकल टीम को भी भेजा था। बता दें कि चीन, उत्तर कोरिया का सबसे करीबी सहयोगी और उसकी आर्थिक जीवन रेखा है। वहीं, अमेरिका लगातार कोरोना वायरस को लेकर चीन पर हमलावर है। वह चीन को बार-बार कोरोना वायरस के लिए जिम्मेदार ठहरा रहा है।

संपादकीय

आतंक का अंत

दरअसल, घाटी में आतंकी गतिविधियों को इसलिए बढ़ावा मिलता है कि वहां के लोगों और खासकर युवाओं के मन में यह बात भर दी गई है कि कश्मीर एक अलहदा मुल्क है और उसकी आजादी के लिए हथियार उठाना जिहाद है। फिर कट्टरपंथी और आतंकी संगठन उनके मन में सेना और पुलिस की ज्यादतियों के किस्से भर कर बरगलाने में कामयाब हो जाते रहे हैं। आतंकी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के सरगना रियाज नायकू का मारा जाना निस्संदेह सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी है। पुलिस और सुरक्षाबलों को लंबे समय से उसकी तलाश थी। उस पर बारह लाख रुपए का इनाम भी रखा गया था। बुरहान वानी के बाद नायकू ने खुद को हिज्बुल का प्रमुख घोषित कर दिया था। वह इस कदर शातिर था कि उसे अपने संगठन के लोगों पर भी अपनी सुरक्षा को लेकर पूरा भरोसा नहीं था। बताते हैं कि उसने अपने ठिकाने तक पहुंचने के लिए सुरंगें तक बनवा रखी थीं। उसने संगठन में सुरक्षाबलों के परिजनों के अपहरण का चलन शुरू किया था। अगर संगठन का कोई सदस्य मुठभेड़ में मारा जाता, तो उसके सम्मान में बंदूकें दागने का चलन भी उसी ने शुरू किया था। बिल्कुल अंतरराष्ट्रीय तरीके से आतंकी गतिविधियों को संचालित करने और अपनी साजिशों को अंजाम देने के प्रयास करता था। बुरहान वानी ने घाटी के युवाओं को हथियार उठाने को प्रेरित करने के लिए ऑडियो-वीडियो तकरीरों का सहारा लेना शुरू किया था, पर पुलिस और खुफिया तंत्र ने उस पर अंकुश लगा दिया था। ऐसे में नायकू ने अलग तरीके अपनाने शुरू किए थे। बिल्कुल फिल्मी अंदाज में उसने युवाओं को प्रभावित करना शुरू किया। उसके मारे जाने से निस्संदेह हिज्बुल की गतिविधियों को रोकने में काफी मदद मिलेगी। दरअसल, घाटी में आतंकी गतिविधियों को इसलिए बढ़ावा मिलता है कि वहां के लोगों और खासकर युवाओं के मन में यह बात भर दी गई है कि कश्मीर एक अलहदा मुल्क है और उसकी आजादी के लिए हथियार उठाना जिहाद है। फिर कट्टरपंथी और आतंकी संगठन उनके मन में सेना और पुलिस की ज्यादतियों के किस्से भर कर बरगलाने में कामयाब हो जाते रहे हैं। ऐसे में युवाओं को बुरहान वानी और नायकू जैसे आतंकी नायक की तरह नजर आने लगते हैं। ये आतंकी सरगना भी ऐसे ही दिग्भ्रमों का शिकार होकर अपने अच्छे-खासे पेशे छोड़ कर हथियार उठाए होते हैं। कश्मीर में एक बड़ी समस्या रोजगार की तो है ही, कट्टरपंथियों और आतंकी संगठनों की जकड़बंदी से युवाओं को दूर रखना भी बड़ी चुनौती है। उनके दिमाग में यह बात बिठा दी गई है कि हिंदुस्तान उनका दुश्मन है और पाकिस्तान मददगार। इसी धारणा के चलते वहां के लोग पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकी संगठनों को सहयोग देते रहे हैं। हालांकि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटने के बाद आतंकी संगठनों की जड़ें काफी हद तक काटी जा चुकी हैं। उन्हें बाहर से मिलने वाली मदद रुक गई है। स्थानीय स्तर पर उन्हें जो शह मिला करती थी, उस पर भी अंकुश लग चुका है। सुरक्षाबलों और खुफिया एसेंसियों के तालमेल से आतंकी साजिशों को समय रहते नाकाम कर दिया जाता है। सीमा पार से होने वाली घुसपैठ पर भी काफी हद तक काबू पा लिया गया है। संचार माध्यमों पर लगातार कड़ी नजर रखी जाने और कानून-व्यवस्था में सख्ती की वजह से युवाओं को भड़काने और हथियार उठाने को उकसाने वाली गतिविधियों पर विराम लगा हुआ है।

नई शिक्षण पद्धति की जरूरत

अनुराग सिंह

शिक्षा की वर्तमान स्थिति में शहरी वर्चस्व कायम है और संसाधनों के अभाव में ग्रामीण होनहार छात्र अपेक्षाकृत पीछे रह जाते हैं। ऑनलाइन शिक्षण पद्धति इसमें एक महत्त्वपूर्ण और कारगर भूमिका अदा कर सकती है। आर्थिक और अन्य कारणों से शहरों में जाकर पढ़ाई न कर पाने वाले विद्यार्थियों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं होगा। एक विकासशील देश के रूप में भारत की छवि अब मजबूत हो रही है। अपनी शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और बेहतर मानव संसाधन तैयार कर इसे और मजबूत किया जा सकता है। हमारे यहां शिक्षा व्यवस्था के विविध रूप दिखाई देते हैं। तकनीकी शिक्षा के लिए उत्कृष्ट भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैं, तो यहीं ये आरोप भी लगते हैं कि चौरानबे प्रतिशत इंजीनियर अपने कार्य में दक्ष नहीं होते और शीर्ष दस कंपनियां केवल बचे हुए छह प्रतिशत इंजीनियरों को अपने यहां नौकरी पर रखने में प्राथमिकता देती हैं।

तकनीकी, प्रबंधन, शोध कार्यों के लिए हमारे ही देश में उत्कृष्ट संस्थान भी हैं, वहीं बेहद औसत या औसत से कम दर्जे के संस्थान भी बड़ी संख्या में मौजूद हैं, जहां आज केवल डिग्रीधारक निकलते हैं, लेकिन वे अपने क्षेत्र में बेहतर मानव संसाधन के तौर पर उपयोगी साबित नहीं होते। संसाधनों के अभाव में हमारे बहुत से संस्थान अपेक्षाकृत पिछड़े हुए हैं, जहां आज भी बहुत परंपरागत तरीके से शिक्षण कार्य हो रहा है। नए विषयों से विद्यार्थी को अधिक से अधिक परिचय प्राप्त कराना इन संस्थानों की जिम्मेदारी होनी चाहिए, मगर ऐसा हो नहीं पा रहा है। भारत के अधिकतर ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में ऐसी तमाम समस्याएं मौजूद हैं। सूचना क्रांति के इस दौर में तकनीकी रूप से सक्षम राष्ट्र लगातार उन्नति कर रहे हैं। हमें भी तकनीकी की सहायता लेकर अपने उत्कृष्ट संस्थानों को उसी क्षेत्र के अन्य संस्थानों से जोड़ कर उनकी गुणवत्ता में वृद्धि करने की योजना पर विचार करना चाहिए। भारत की अधिकांश आबादी ग्रामीण है और प्राथमिक शिक्षा के लिए ग्रामीण जनसंख्या अधिकतर गांवों की प्राथमिक पाठशालाओं पर निर्भर है। एएसईआर की रिपोर्ट के मुताबिक प्राथमिक स्तर के ग्रामीण विद्यालयों की दशा चिंताजनक है। इस रिपोर्ट के अनुसार सामान्य विद्यार्थी अपने से निचली कक्षा के बेहद सामान्य पाठ को धाराप्रवाह पढ़ पाने, जोड़-घटाने के बेहद मामूली सवालों को हल कर पाने में अक्षम हैं, ऐसी जगहों पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम ले जाने से पहले कुछ सवालों के जवाब ढूंढ़े बिना यह कार्य व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

छोटे बच्चों के लिए ऐसे पाठ्यक्रम किसी की मदद लिए बिना पढ़ना संभव नहीं है, क्योंकि वे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को स्वयं संचालित कर पाने में अक्षम होंगे। ऐसे में जिन परिवारों में कोई व्यक्ति इन सबसे जुड़ा नहीं है, उसके लिए यह व्यवस्था बहुत लाभकारी नहीं होने वाली है। माध्यमिक स्तर की स्थिति भी ऐसी ही है। गावों के कुछ बच्चे सटे हुए शहरों या कस्बों तक अपनी पहुंच बना पाते हैं। ऐसे में अगर आज हम ऑनलाइन शिक्षा की बात करते हैं, तो सोचना होगा कि हम इनमें से कितने प्रतिशत ग्रामीण बच्चों तक अपनी पहुंच बना पाने में सक्षम हो पाएंगे? अभी केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने छठी से आठवीं तक के बच्चों के लिए इ-पाठशाला की शुरुआत की, जहां

बच्चों को हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और संस्कृत से संबंधित वैकल्पिक शिक्षा इ-लिंक के जरिए उपलब्ध कराई जाएगी। इस इ-पोर्टल का स्वागत होना चाहिए, लेकिन सोचने वाली बात यह है कि इसकी सहायता से हम कितने लोगों तक पहुंच पाने में सफल होंगे? अगर अधिकांश ग्रामीण विद्यार्थियों तक अपनी पहुंच न बना पाए तो फिर इसको बहुत ज्यादा सफल नहीं कहा जा सकेगा। इसकी सफलता उन तक अधिकाधिक पहुंच से ही संभव मानी जाएगी।

तीसरे स्तर पर, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ऑनलाइन शिक्षा पद्धति को लागू करना अपेक्षाकृत अधिक आसान है, क्योंकि इस अवस्था में वे विद्यार्थी उपकरण संचालन के मामले में आत्मनिर्भर हैं। चिकित्सा, तकनीकी, प्रबंधन आदि विषयों की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी इस मंच का उपयोग आसानी से कर सकते हैं और कर रहे हैं। बड़े कॉलेज और कोचिंग संस्थान इसका उपयोग पहले से कर रहे हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वुमन इस वर्ष मार्च से ऑनलाइन शिक्षण कार्य संचालित कर रहा है और अभी हाल में ही उसने मध्यावधि परीक्षा भी आयोजित कर ली, जो सफलतापूर्वक संपन्न हुई। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दूर-दराज के गांवों में भी पारंपरिक विषयों का पठन-पाठन होता है, क्या वे सभी विद्यार्थी इस शिक्षा पद्धति से अपने को जोड़ कर आसानी से इस कार्य को संचालित कर सकते हैं? इसका उत्तर है नहीं।

गरीबी से जूझते देश में जहां हर व्यक्ति के पास पेट भरने को भोजन नहीं है, उसके पास इस तरह का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का न हो पाना, जिसमें इ-लर्निंग या ऑनलाइन शिक्षण आसानी से संचालित हो पाए, एक व्यावहारिक समस्या है। दूर-दराज के गांवों में नेटवर्क की बड़ी समस्या है। भारत के सामान्य गांवों में अभी ऐसी समस्याएं मौजूद हैं, तो आदिवासी इलाकों में इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। आदिवासी क्षेत्रों में क्या यह ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था पहुंच पाएगी? भारत के शहरों और गांवों में शिक्षा के स्तर में फर्क आसानी से दिख जाता है। किसी भी तकनीकी, चिकित्सा या प्रबंधन पाठ्यक्रम की पढ़ाई तथा शोध कार्य के लिए हम अपनी संरचना में शहरों पर ही आधारित हैं। उच्च शिक्षा में इनकी पढ़ाई हेतु गांवों को सक्षम नहीं बनाया गया है। अब अगर भारत की अधिकांश आबादी गांवों में बसती है, तो ऑनलाइन शिक्षा के लिए पहले उस स्तर का बुनियादी ढांचा तैयार करना होगा, तब जाकर हम इसके लिए कदम आगे बढ़ा पाएंगे, वरना इस तरह के मंच शहरी विद्यार्थियों के लिए ही ज्यादा लाभप्रद होंगे। ग्रामीण विद्यार्थी और ज्यादा पिछड़े हुए नजर आएंगे। जबकि वास्तव में हमें इसके माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की शिक्षा पद्धति में आए अंतर को पाटने की कोशिश करनी चाहिए। संसाधन के अभाव में विद्यालयी स्तर के जो बच्चे बहुत-सी जानकारियों और विज्ञान के नए विषयों से परिचित नहीं हो पाते थे, अब ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से उन्हें उन चीजों को दिखाया-समझाया जा सकता है। शिक्षा की वर्तमान स्थिति में शहरी वर्चस्व कायम है और संसाधनों के अभाव में ग्रामीण होनहार छात्र अपेक्षाकृत पीछे रह जाते हैं। ऑनलाइन शिक्षण पद्धति इसमें एक महत्त्वपूर्ण और कारगर भूमिका अदा कर सकती है। आर्थिक और अन्य कारणों से शहरों में जाकर पढ़ाई न कर पाने वाले विद्यार्थियों के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं होगा। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में प्रोजेक्टर की सहायता से एक इ-क्लासरूम की संरचना में बहुत अधिक धन खर्च न कर उन बच्चों को अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा मुहैया कराई जा सकती है। अपने-अपने क्षेत्र के दिग्गजों के साथ उनके वातार्लाप सत्रों को इन माध्यमों से रखा जा सकता है। शहरों में ऐसी गतिविधियां होती रहती हैं, लेकिन अब ग्रामीण इलाकों में भी आसानी से हो सकती हैं। वर्तमान में बहुत सारे ऑनलाइन ऐप पर पठन-पाठन हो रहा है। उनकी सहायता से अपनी पूरी आबादी के आधार को मजबूत करने का मौका अब तकनीक की सहायता से संभव हो पाया है, तो हमें इसे गंवाना नहीं चाहिए। हां, एक समस्या यह है कि सूचना क्रांति के इस युग में जहां अंग्रेजी भाषा की प्रधानता है, बहुतायत ग्रामीण जनसंख्या खुद को इन सबसे जोड़ पाने में अक्षम महसूस करती है, क्योंकि वे क्षेत्रीय भाषाओं में स्वयं को ज्यादा सहज महसूस करते हैं, इसलिए शिक्षण के इन मंचों पर क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर जोर होना चाहिए। ऑनलाइन शिक्षण पद्धति से हम अब पीछे नहीं हट सकते, यह भविष्य को सुनहरा बनाने का एक बेहतर साधन है। हमें इसकी कमियों को दूर करते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़ना होगा, ये सुनहरे भविष्य की ओर बढ़ने वाले कदम हैं। भारतीय ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था के साथ-साथ कम गुणवत्ता वाले संस्थानों को व्यापक स्तर पर इससे सुधारा जा सकता है।

बातुक वचन मास्क जरूरी

एक था बातुक!
उसे दोस्ती थी
मिहनती से।
वह जब कहीं जाता?
मेहनती को अपने साथ ले जाता।
एक दिन वे दोनों
जा रहे थे।
धने जंगल सून-सान
विरान राहों पर!
मेहनती को आरामदायक मिल गया
मेहनती ने पूछा?
बातुक से?
मैं मेहनती हूँ
और ये आरामदायक
मुझे काम करने पड़ते
जबकि ये आराम करता है।
ऐसा क्यों है?
बातुक बोला!
यह तुम्हारा कर्म है
और तुम उसे करते हो।
यह उसका भी कर्म है
लेकिन वह नही करता।
इसकी दंण्ड उसे अवश्य मिलेगी?
मेहनती बोला! कौन देगा?
खुद प्रकृति देगी।
क्योंकि यह प्रकृति कर्मवीरो की है।
कैसे?
यह समय आने पर पता चलेगा।
मेहनती बोला! कब आएगा वह समय?
कभी भी आ सकता है?
जंगल में एक दुर्गंध फैल रही थी
जो किसी विषैले गैस की भांति
असर कर रही थी।

मेहनती ने तुरंत पत्तो के तीन मास्क बनाये। एक अपने पहन ली, दूसरा बातुक को दिया, बातुक ने भी पहन ली, तीसरा आरामदायक को दिया लेकिन आराम दायक ने नही पहनी? उसने सोचा यह थोड़ी देर मे खुद समाप्त हो जाएगा? कुछ समय पश्चात आरामदायक को सांस लेने में तकलीफ होने लगी थी, और वह जहरीली गैस उसके शरीर में फैल चुका था वह छटपटाने लगा फिर मिहनती ने उसे मास्क पहनाया और वैद्य के पास ले गया जहाँ उसका इलाज चल रहा है।लेकिन आरामदायक की जीवन शैली भी उस घटना के बाद बदल चुकी है अब वह सबकी सुनता है और बात भी मानता है। आप भी मिहनती की तरह बने! मास्क का प्रयोग करे। जहरीली गैस और संक्रमम से बचें। सरकार के द्वारा जारी नियमों का पालन करें। आरामदायक कतई न बनें?

आशुतोष
पटना बिहार

अजनबी

चलो आज फिर से,
एक बार अजनबी होकर मिलते हैं।
चलो आज फिर से,
एक दूसरे का नाम पूछते हैं।
चलो आज फिर से
बैठकर एक दूसरे से बातें करते हैं।
चलो आज फिर से,
कहीं टहलने चलते हैं।
चलो आज फिर से,
आसमान तले तारों की रात में
गुनगुनाते हैं।
चलो आज फिर से,
एक बार फिर ख्वाबों की
दुनिया में खो जाते हैं।
चलो आज फिर से,
एक बार फिर एक दूसरे को मनाते हैं।
चलो आज फिर से,
एक दूसरे के हो जाते हैं

अमित डोगरा,
पी.एच डी शोधकर्ता, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, 9878266885, मेरे द्वारा भेजी गई रचना मौलिक तथा स्वयं रचित है।

गजल

ये दिल क्यूँ मचलती रही रातभर
नींद भी गायब रही रातभर।।
वो तस्वीर जो पहली मुलाकात की
बार बार सामने आती रही रातभर।।
वो मुस्कुराहट कितनी हसीन थी
बार बार याद आती रही रातभर।।
वो शिकायत भरी जो बाते थी तेरी
बार बार रूलाती रही रातभर।।
हँसना चिढाना और प्यार करना तेरा
मुझको दिवाना बनाती रही रातभर।।
वो तेरी सादगी और अल्हड़पन तेरा
बार बार चिंतन बढ़ाती रही रातभर।।

आशुतोष
पटना बिहार

मैं आज भी वही हूं

बीत गया जो वक्त
तो अब क्यों
मुझे तलाश रहे हो।
जब थे आपके पास
तो बस आपके ही थे।
अब गैरों ने
जब बाहें पकड़ ली
तो क्यों अब
हताश और परेशान हो रहे हो?
क्या बीता हुआ बीता वक्त
अब याद आ रहा है,
या फिर बीते हुए लम्हों की
अपनी गलतियां
अब याद आ रही है?
तुम तो कहते थे
मुझे में बहुत कमियां है,
और मुझे में वो
काबिलियत नहीं
जो मोहब्बत करने वाले
आशिकों के पास होती है।

पर आज मुझ में
वो काबिलियत तुम्हें
कहाँ से दिखगी?
पर मैं तो आज भी वही हूं
नाजुक से दिल वाला
जो अपने दर्द से ज्यादा
दूसरों के दर्द को
ज्यादा महसूस करता हूं।

राजीव डोगरा विमल
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश
(भाषा अध्यापक)
गवर्नमेंट हाई स्कूल, ठाकुरद्वारा।
पिन कोड 176029
9876777233
7009313259
मेरे द्वारा भेजी गई रचना मौलिक तथा स्वयं रचित है। जो कहीं से भी कॉपी पेस्ट की गई नहीं है।

खौफ के साये में सही जिंदा तो हैं हम

खौफ के साये में सही,जिंदा तो हो तुम
मौत के बाद साथ कोई डर नहीं होता
घर बैठने में आफत है आ रही तुमको
सोचो उनका कि जिनका घर नहीं होता
लाचार है इंसा आज क्यूँ कुदरत के आगे
गुनाह तो है हमारा यूँ बेवजह कहर नहीं होता
सियासतदार मुल्कों के हाथ जोड़े खड़े बेबस
कहते थे कोई हुक्मरानों से बढ़कर नहीं होता
दुआएँ प्रार्थना ताबीज टोटके आजमालो सब
पाप जब हद से बढ़ जाए,कुछ असर नहीं होता
अभी बिगड़ा नहीं ज्यादा संभालो मुल्क को अपने
उजड़ी बस्ती बसाने का सब में हुनर नहीं होता।।

प्रतिभा दुबे
मुरार ग्वालियर मप्र

लौटने के जख्म

कोरोना के भयावह समय में जल्दी घर लौट जाने की इच्छा जितनी सुखद और स्वाभाविक है, उतनी ही दुखद और अस्वाभाविक है लौटने में बरती जा रही लापरवाही। जिस तरह से लौटते मजदूरों को रौंदती मालगाड़ी गुजरी है, उसे दशकों तक भुलाया नहीं जा सकेगा। लौटने और लौटाने में सामने आई इस रुला देने वाली लापरवाही के अनेक स्तर हैं, जो आलोचना और सुधार, दोनों की ही मांग कर रहे हैं। अव्वल तो हम केवल जानकर खुश हो जाते हैं कि भुसावल से श्रमिक स्पेशल ट्रेन चलेगी और मध्य प्रदेश पहुंचेगी, लेकिन क्या हमने यह भुला नहीं दिया कि ये लौटने वाले मजदूर भुसावल स्टेशन तक कैसे पहुंचेंगे? 20 मजदूर जालना से भुसावल रेलवे स्टेशन के लिए रेल पटरी के साथ-साथ चले थे। शायद सड़क मार्ग से लौटने पर जगह-जगह रोके जाने की आशंका थी, इसलिए उन्होंने रेल पटरी का चयन किया। उन्हें भुसावल स्टेशन पर पहुंचने के लिए 150 किलोमीटर चलना था। वे सब 45 किलोमीटर चलकर थक गए, तो पटरी और उसके आसपास सुस्ताने लगे। सुबह का समय था, आंख लग गई और ऊपर से खाली मालगाड़ी गुजर गई। 20 में से तीन मजदूर पटरी से कुछ दूर सोए थे, उन्हें कुछ नहीं हुआ।

मैं भी मजदूर का बेटा हूं!

छोटू हमेशा कक्षा के आखिरी बेंच पर अकेला और बेबस बैठा रहता था मैंने कई बार देखा कि वो दिन भर चुपचाप सा बैठा रहता था ना किसी से बातें करना ना ही किसी के साथ हंसी - मजाक .. कक्षा में कोई भी छोटू से बात तक नहीं करता था जाने क्यों लेकिन मुझसे रहा नहीं गया और मैंने छोटू के पास जाकर कहा क्या तुम मुझसे दोस्ती करोगे। छोटू ने हकलाते हुए कहा मैं मजदूर का बेटा हूं? . . . ! तुम मुझसे दोस्ती क्यों करना चाहोगे। मैंने छोटू के अकेलेपन को दूर करने के लिए कहा कि मैं भी मजदूर का बेटा हूं। यह सुनकर मानो छोटू बेहद खुश हुआ और मुझसे हाथ मिलाने लगा। हम रोजाना साथ साथ स्कूल जाते हैं लेकिन मैंने देखा कि छोटू कभी भी अपना टिफिन नहीं लाता था। और छोटू और मेरी दोस्ती इतनी बढ़ चुकी थी की मैं छोटू के लिए घर से दो रोटी ज्यादा लाता था पर छोटू रोज मेरे टिफिन में खाने को तैयार नहीं होता था। मेरे पूछने पर वह बताता कि आज मैं घर से खाकर आया हूं। एक दिन जब छोटू ने मुझसे कहा कि आज मैं घर से खाकर आया हूं तुम मैंने विद्यालय की छुट्टी होने पर उसके घर जाने का फैसला लिया और मैं उसके घर गया तो देखा कि छोटू के घर का चूल्हा ठंडा पड़ा है। मैंने तेज आवाज में छोटू से कहा कि छोटू तुमने मुझसे झूठ क्यों बोला तुम्हारे घर पर तो चूल्हा जला ही नहीं है। तो छोटू ने नम आवाज में बताया कि दोस्त में रोज- रोज तुम्हारे साथ नहीं खा सकता। मैंने तुरंत कहा तो क्या छोटू तुम भूखे रहोंगे। छोटू कहना तो नहीं चाहता था लेकिन उसकी जुबान से निकल ही गया कि पापा को जिस दिन काम नहीं मिलता है उस दिन हमें भूखा ही सोना पड़ता है। यह सुनकर मेरी आंखों में आंसू भर आए और मैंने छोटू को गले से लगा लिया। मैंने घर जाकर यहां पूरी घटना अपनी मां को बताई और मां ने तुरंत छोटू के पापा को बुलाने को कहा। मैंने छोटू के पापा को बुलाया और मां ने छोटू के पापा को हमारे घर पर काम को रख लिया। अब छोटू मेरे साथ मेरे टिफिन में खाना भी खाता है और उसके घर का चूल्हा भी जलता है . . . ! यदि आपके आस पास भी कोई छोटू रहता है तो एक बार उसके साथ अपना टिफिन अवश्य शेयर करें . . . !

- कवि सुनील पटेल, सन्नाटा
डूंगरपुर, राजस्थान

एनआरआई बिजनेसमैन रमेश पाटीदार की अपील....

खाड़ी देशों में हमारे वागड़ क्षेत्र के भाई आज कोविड़ 19 को हराने के लिए आज सभी अपने अपने घरों में बेठे हुए है। कुवैत में हमारे वागड़ के क़रीबन 40 हजार भाई कार्यरत है और बहरैन में क़रीबन 3 हजार भाई कार्यरत है साथ ही दुबई, साउदीअरब, ओमान और कतर में क़रीबन 3 हजार भाई कार्यरत है। इनमे से अधिकतर भाई लेबर का कार्य करते है। हमारे वागड़ की 70 प्रतिशत अर्थव्यवस्था खाड़ी में हमारे उन भाइयों की वजह से चलती है जो आज सभी लोकडाउन के चलते अपने घरों में बंद है। आज इस भयंकर महामारी के बुरे दोर में पूरा वागड़ आपके साथ खड़ा है और कही पर ये ना समझे की आप अकेले है। यहाँ की सरकारें, यहाँ का प्रशासन, यहाँ के लोग आपके परिवार के साथ खड़े है एवं हर परिस्थिति में सभी आपके साथ खडे है। जब जब वागड़ पर कुछ भी संकट आया है तब आपने तन मन धन से वागड़ को सहयोग किया है। आज सम्पूर्ण विश्व कोरोना से संघर्ष कर रहा है और ऐसे में आज आप सात समुंदर पार खाड़ी देशों में हमारे वागड़ के हज़ारों भाई कोरोना से संघर्ष कर रहे है। ऐसे भयानक महामारी के समय आप अकेले नहीं है, पूरा वागड़ आपके साथ खड़ा है। हम सभी आपके सकुशल होने की प्रार्थना करते है और आप सभी के स्वस्थ होने की कामना करते है। कोरोना के बारे में आप सभी जानते है की यह भयानक महामारी है जिसने पुरे विश्व को अपनी चपेट में ले लिया है और इसका बचाव सिर्फ़ घर से बाहर नहीं

निकल कर और सोशल दूरियाँ रख कर ही किया जा सकता है अतः आप सभी से मेरा अनुरोध है कि आप अपने घरों में ही रहे और कही बाहर नहीं निकले। मास्क और सेनीटैजार का प्रयोग करे। ऐसी चीजों का सेवन करे जिससे अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़े। कुछ भी ऐसे लक्षण महसूस होते है तो तुरंत बिना किसी डर के सम्बंधित सरकारों द्वारा जारी हेल्प लाइन नम्बर पर सम्पर्क करे। कई भाई जो खाड़ी देशों में नए है और उनके राशन की व्यवस्था जो भाई सक्षम है वो करे। संकट के समय में ज़रूरतमंद भाइयों के साथ खड़े रहे। दस-दह भाइयों की एक टीमें बनाकर और हर एक रूम की जानकारी रखे और ज़रूरतमंद भाइयों के लिए तुरंत राशन उपलब्ध करवाए। किसी भी प्रकार की कुछ भी समस्या होने पर तुरंत भारतीय दूतावास से संपर्क करे। वहाँ की सरकारों द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देश का पूर्णतया पालन करे। किसी भी स्थिति में सभी एकजुट रहे और एक दूसरे के साथ खड़े रहे। जो भाई अपने वतन आना चाहते है वो अपने भारतीय दूतावास द्वारा जारी लिंक से अपना पंजीयन करवा देवे। आप सभी हमारे वागड़ के बेटे हो और संकट के इन पलो में पूरा वागड़ आपके साथ खड़ा है। आज आपको संकट में देखकर पूरा वागड़ आपके लिए प्रार्थना कर रहा है। पुनः आपसे अनुरोध करता हु की आप सभी अपना ख़्याल रखे, हमें आप चाहिए क्यूँकि वागड़ आपसे है और आप हमारे वागड़ के स्तम्भ हो।

- रमेश पाटीदार

माँ

ममता में अनंत आँसू बहाने वाली
दर्द में आँखों को सूखा रखती है,
अपने हिस्से का भी बाँटकर हमें
माँ अक्सर खुदको भूखा रखती है।
कैसे बचा लेती है बुरी नज़रों से भी
मुझे तो हर दिन तू फ़रिश्ता लगती है,
जाने अनजाने भूल जाते हैं हम तुझे
फिर भी हम मूर्खों से रिश्ता रखती है।
हमारी ज़िद पर सब लुटाने वाली
अपनी खुशियों का गला घोंटती है,
जो थी कभी बिल्कुल हम जैसी
अब सपनों को चूल्हे में झोंकती है।
हम आंकते थे कम बचपन में जो
अब जाना कितने करिश्में करती है,
उठ ऊपर उसे नीचा दिखाते हैं जो
माँ न कभी कोई शिकवे रखती है।
चिंता में हमारी विचलित हो जाती
हर उम्र संग माँ बन खुदा चलती है,
नहीं जरूरत किसी ईश्वर भक्ति की
जिस घर माओं की दुआ लगती है।

एक बार फिर मुंबई पुलिस के लिए आगे आए ऋतिक रोशन, किया ये नेक काम

आज पूरी दुनिया के साथ साथ भारत भी कोरोना वायरस के खिलाफ जंग लड़ रहा हैं। इस लड़ाई में डॉक्टर्स, पुलिस, सफाई कर्मचारी और मीडिया कर्मी सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। हर कोई इनके जज्बे को सलमान कर रहा है। ऐसे में हर कोई इनकी मदद के लिए आगे आ रहा है। आए दिन कई सेलेब्स अपनी इच्छा अनुसार मदद करते हैं। बीते दिनों ये कह सकते है कि पूरे बॉलीवुड ने पीएम फंड में कोई लाखों-करोड़ों रुपये दान किए जिससे देश को बचाया जा सके। वहीं अब एक्टर ऋतिक रोशन ने एक और कदम उठाया है। आर्थिक मदद देने बाद उन्होंने ऋतिक ने मुंबई पुलिस के लिए हैंड सैनिटाइजर भेजा है। इसका खुलासा मुंबई पुलिस ने सोशल मीडिया पर किया है उन्होंने ऋतिक रोशन को इसके लिए धन्यवाद भी किया। मुंबई पुलिस ने लिखा- ड्यूटी पर काम कर रहे मुंबई पुलिस के लिए हैंड सैनिटाइजर्स भेजने के लिए धन्यवाद ऋतिक रोशन। फ्रंटलाइन वारियर्स के स्वास्थ्य और सुरक्षा का ख्याल रखने में योगदान देने के लिए आभार। वहीं, ऋतिक रोशन ने जवाब दिया- ॰हमारे पुलिस बलों का आभार, जिन्होंने हमारी सुरक्षा को अपने हाथों में ले लिया है। सुरक्षित रहें। अपना कर्तव्य निभा रहे अधिकारियों को मेरा प्यार और सम्मान। आपको बता दें कि इससे पहले एक्ट्रेस आइ फोर इंडिया के साथ जुड़े थे। इस दौरान उन्होंने पियानो बजाकर गाना गाया था। तो वहीं मुंबई के फोटो जर्नलिस्ट के परिवारों को भी मदद भी की थी। ऋतिक रोशन ने बीएमसी कार्यकताओं और कार्यवाहकों के लिए एन 95 और एफएफपि 3 मास्क की व्यवस्था भी कराया है। साथ ही लाखों लोगों के खाने का इंतजाम भी देख रहे हैं। बता दें कि एक्टर इन दिनों अपने दोनों बेटों और एक्स वाइफ सुजैन के साथ रह रहे है। सोशल मीडिया पर सुजैन अक्सर तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

वीडियो में शराब खरीदते देखी गयीं रकुल प्रीत एक्ट्रेस ने मजेदार जवाब के साथ बताया सच

गुरुवार को एक्ट्रेस रकुल प्रीत का भी एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा था जिसमें वो अपने हाथों में एक बोतल और कुछ सामान पकड़े हुए दिख रही हैं।

लॉकडाउन 3 में सरकार की तरफ कुछ पाबंदियों के साथ शराब की दुकानें खोलने की अनुमति दे दी गयी है। ऐसे में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसे वीडियो आ रहे हैं, जिनमें लोगों को शराब खरीदते हुए दिखाया जा रहा है। कुछ वीडियो ऐसे भी आ रहे हैं, जिनमें सोशल डिस्टेंसिंग के नियम का पालन नहीं किया जा रहा है। ऐसे तमाम वीडियो के बीच गुरुवार को एक्ट्रेस रकुल प्रीत का भी एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा था, जिसमें वो अपने हाथों में एक बोतल और कुछ सामान लेकर दुकान से निकलते दिख रही हैं। रकुल ने चेहरे पर मास्क लगा रखा है। इस वीडियो को पोस्ट करने वाले ट्विटर एकाउंट ने सवाल उठाया था- लॉकडाउन के दौरान रकुल प्रीत क्या खरीद रही थीं?

क्या वो अल्कोहल खरीद रही थीं? इस वीडियो को रीट्वीट करते हुए रकुल ने जवाब दिया- ओह वाओ। मुझे नहीं पता था कि मेडिकल स्टोर्स पर अल्कोहल भी बिक रहा है। रकुल के इस मजेदार जवाब के बाद यूजर्स ने भी इसे नजरअंदाज करने की सलाह दी। इससे पहले रकुल ने दिन में वाइजाग गैस लीक ट्रेजडी पर भी ट्वीट कर-के संवेदनाएं जाहिर की थीं। रकुल ने लिखा था- वाइजाग गैस लीक के बारे में सुनकर बहुत दुखी हूं। मेरी भावनाएं उन सभी के साथ हैं, जो इस हादसे में प्रभावित हुए हैं। उम्मीद कर रही हूं कि इसे नियंत्रित करने के लिए जल्द ही उपाय किये जा रहे हैं। वाइजाग के लोगों सुरक्षित रहिए। रकुल प्रीत के करियर की बात करें तो हिंदी सिनेमा में उन्होंने यारियां फि ल्म से डेब्यू किया था, जो 2014 में आयी थी। 2018 में रकुल नीरज पांडेय की फि ल्म अय्यारी में सिद्धार्थ मल्होत्रा के अपोजिट नजर आयी थीं। पिछले साल वो अजय देवगन के साथ दे दे प्यार दे में दिखाई दी थीं। इस रोमांटिक कॉमेडी फि ल्म में वो अजय की गर्लफ्रेंड के रोल में थीं। तब्बू ने अजय की तलाकशुदा पत्नी का किरदार निभाया था। इसके अलावा मरजावां में भी रकुल ने एक अहम किरदार निभाया था। रकुल की अगली फि ल्म काशवी नायर की चले चलो है।

नीना गुप्ता के इंस्टाग्राम पर हुए 5 लाख फॉलोअर

बॉलीवुड एक्ट्रेस नीना गुप्ता इन दिनों पति विवेक मेहरा के साथ क्वारंटीम टाइम में वादियों का लुत्फ उठा रही हैं। नीना और विवेक मेहरा पिछले काफी समय से उत्तराखंड के मुक्तेश्वर में रह रहे हैं। लॉकडाउन के चलते एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती है। आए दिन अपने फैंस को नई ?ई अपडेट देत रहती है। हाल ही में नीना के एक वीडियो शेयर किया है जिसमे वो खूब डांस कर रही है और बेहज खुश भी है।

इस खुशी और डांस की वजह है उनके इंस्टाग्राम पर 5 लाख फोलोअर्स होना। वीडियो में नीना कहती हैं, आपकी वजह से हुए पांच लाख। आपकी दुआओं से हुए पांच लाख। आपके ही प्यार से पांच लाख। आपके कमेंट से पांच लाख। इंस्टाग्राम पर मेरे पांच लाख फॉलोअर हो गए आप सबका बहुत-बहुत शुक्रिया। इससे पहले एक्ट्रेस ने अपना योगा करते हुए वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में नीना गुप्ता धनुरासन करते हुए दिखाई दे रही हैं. वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा, गुड मॉर्निंग दोस्तों। 60 साल की उम्र में भी नीना ने खुद को जितना मैंटेन कर रखा है और जितनी जिंदादिली से वो जीती हैं वो काबिल-ए-तारीफ है। नीना अक्सर इंस्टाग्राम पर हॉट-हॉट फोटोज शेयर करती रहतै हैं जिनकी वजह से वो चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस चाहें साड़ी पहनें या वन पीस हर ड्रेस में वो कमाल लगती हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस हाल ही में अमेजन प्राइम की सीरीज पंचायत में नजर आई थीं। इस सीरीज में उन्होने प्रधान रोल निभाया था। काफी चर्चा में रही थी ये सीरीज। इससे पहले वो आयुष्मान खुराना की फिल्म बधाई में नजर आई थीं जिसमें उन्होंने आयुष्मान की मां का किरदार निभाया था।

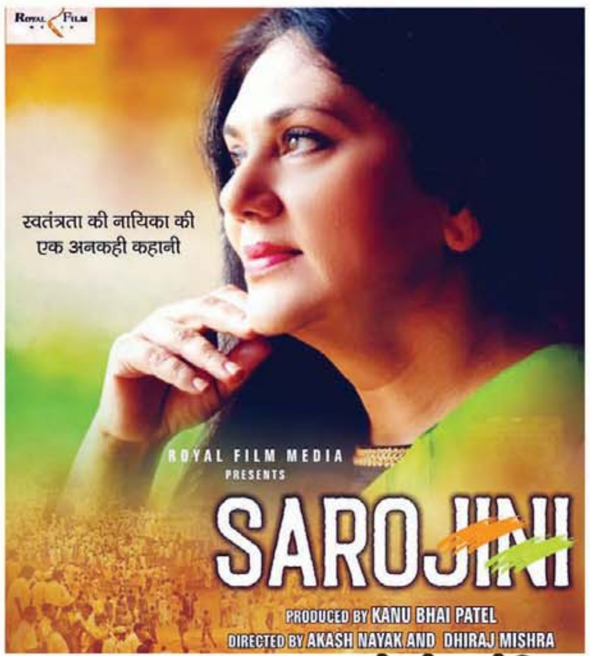

रामायण की सीता दीपिका चिखलिया की अगली फिल्म का फर्स्ट लुक वायरल

धारावाहिक रामायण में सीता का किरदार निभाने वालीं दीपिका चिखलिया जल्द ही एक फिल्म में नजर आने वाली हैं। उनकी इस फिल्म से उनका फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है। नई दिल्ली, जेएनएन। रामानंद सागर का पॉपुलर टीवी शो रामायण लॉकडाउन की वजह से एक बार फिर से शुरू किया गया। इस शो को दर्शकों का वैसा ही प्यार मिला जैसा कि 80 के दशक में मिला था। शो के शुरू होते ही एक बार फिर से इसके किरदारों की चर्चा शुरू हो गई और वह सुर्खियों में आ गए। वहीं इस दौरान सबसे ज्यादा चर्चा में रही रामायण की सीता यानी दीपिका चिखलिया। दीपिका लगातार सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रही हैं। वहीं अब उनको लेकर एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। दीपिका की आने वाली फिल्म से उनका फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। उनकी ये तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। धारावाहिक रामायण में सीता का किरदार निभाने वालीं दीपिका चिखलिया जल्द ही एक फिल्म में नजर आने वाली हैं। उनकी इस फिल्म से उनका फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है। बता दें कि दीपिका जल्द ही अपनी अपकमिंग फिल्म में सरोजिनी नायडू का किरदार निभाते नजर आएंगी। इस फिल्म का टाइटल सरोजिनी है। इस फिल्म को धीरज मिश्रा ने लिखा है और आकाश नायक डायरेक्ट कर रहे हैं। सरोजिनी फिल्म से अपने फर्स्ट लुक की तस्वीर दीपिका चिखलिया ने ही शेयर की है। उन्होंने इसे ट्विटर पर शेयर कर फैंस को एक बड़ा सरप्राइज दिया है। पोस्ट में दीपिका की तस्वीर के साथ लिखा हुआ है- स्वतंत्रता की नायिका की एक अनकही कहानी. पोस्टर शेयर करते हुए दीपिका ने लिखा, सरोजिनी नायडू... फर्स्ट लुक... पोस्टर। आपको बता दें कि दीपिका ने अपनी इस फिल्म के बारे में पहले भी इंडिया टुडे से एक इंटरव्यू में बताया था। दीपिका ने बताया था, मुझे सरोजिनी नायडू की बायोपिक ऑफर हुई है। धीरज ने मुझे लॉकडाउन के चलते स्टोरी नहीं बताई है। मैं फिल्म की कहानी ध्यान से देखती हूं। हम स्टोरी सेशन के लिए बैठेंगे।

यूलिया के लाइव चैट के बीच क्यों आए थे सलमान? एक्ट्रेस ने किया खुलासा

सलमान खान अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चचाओं में रहते हैं। रोमानियन ब्यूटी यूलिया वंतूर से उनका नाम हमेशा ही जुड़ता रहा है। दोनों अक्सर कई खास मौकों पर साथ दिखाई देते हैं। दोनों के बीच का रिलेशन खूब सुर्खियां बटोरता है। हालांकि रिलेशनशिप की खबरों पर दोनों ही चुप्पी साध जाते हैं।

इन दिनों यूलिया सलमान के पनवेल वाले फार्महाउस पर उनके साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रही है ।इसी बीच यूलिया ने सलमान के इस फार्महाउस को अपने घर जैसा ही बताया है। कुछ दिनों पहले सलमान और यूरिया का पनवेल वाले फार्म हाउस से एक वीडियो भी वायरल हुआ था । इस वीडियो में यूलिया किसी चैट शो में लाइव बात कर रही थी कि अचानक से सलमान पीछे से आकर मुस्कुराते हुए नजर आए थे। लाइव वीडियो के बीच सलमान को देख यूलिया काफी ब्लश करती हुई नजर आई थी। इसको लेकर भी यूलिया ने बात की और उस वीडियो के पीछे का राज खोला। यूलिया ने बताया कि सलमान को पता था कि मैं एक चैट शो में जुड़ने वाली हूं तो उन्होंने पूरा सेटअप कराने में मदद की। लाइट ठीक कराएं, मुझे काफी अच्छा लगा, लेकिन लाइव चैट शुरू होते ही सब को हेलो बोलने के लिए सामने आ गए। यह मेरे लिए बिल्कुल सरप्राइजिंग था। मुझे नहीं पता था कि वह ऐसे अचानक से आ जाएंगे। सलमान की मस्ती अक्सर देखने को मिलती है। अब यह तो हम सब जानते ही हैं कि सलमान कितने मजाकिया है और सबसे खास बात वह

अपनी पर्सनल लाइफ को भी खुली किताब की तरह रखते हैं। तभी तो यूलिया के लाइव चैट शो में सलमान बेहिचक आए। सब को देखा और फिर मुस्कुरा कर चले गए । फिलहाल तो सलमान लॉकडाउन की मार झेल रहे हैं और जल्द से जल्द अपने घर जाना चाहते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो लॉकडाउन खुलते ही सलमान राधे योर मोस्ट वांटेड भाई की शूटिंग स्टार्ट करेंगे। ईद पर फिल्म रिलीज होनी थी, लेकिन लॉक डाउन की वजह से फिल्म रिलीज नहीं हो पाएगी। अगले साल कभी ईद कभी दिवाली लेकर आप सबके सामने सलमान हाजिर होंगे। फिल्म में सलमान के साथ पूजा हेगड़े नजर आएंगी।

मॉम शिल्पा के साथ कुकिंग करते नजर आए वियान

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वो अपनी फैमिली के साथ अपनी मस्ती भरी वीडियोज भी ऑडियंस के लिए शेयर कर रही हैं और उनको एंटरटेन कर रही हैं। हाल ही में शिल्पा ने अपने बेटे वियान के साथ एक वीडियो शेयर किया जिसमें दोनों मां-बेटे पीनट बटर चोको ओट कुकीज बनाते हुए नजर आ रहे हैं। उनके बेटे ने कुकीज बनाने का पूरा काम खुद किया। अब शिल्पा कितनी अच्छी कुक है यह तो किसी से छिपा नहीं है । शिल्पा एक से बढ़कर एक हेल्थी और डिलीशियस डिशबनाती है और अपने यूट्यूब चैनल पर ऑडियंस के लिए उसे शेयर भी करती है । अब मॉम के साथ बेटे वियान भी कुकिंग में काफी इंटरेस्ट ले रहे हैं। शिल्पा ने जो वीडियो शेयर किया है वह इस बात का सबूत दे रहा है कि आने वाले वक्त में वियान भी अच्छे कुक बन सकते हैं । इस वीडियो को शेयर करते हुए शिल्पा ने सभी पैरेंट्स से बच्चों के साथ इस तरह से वक्त बिताने की अपील की। इससे पहले भी शिल्पा वियान के साथ वीडियोज शेयर करती रहती है । इतना ही नहीं शिल्पा तो बेटे वियान और पति राज कुंद्रा के साथ खूब सारी टिक टॉक वीडियोज भी बनाती है ।शिल्पा और उनके परिवार की मस्ती भरी वीडियोज देख ऑडियंस काफी एंटरटेन होती है। आपको बता दें हाल ही में शिल्पा सरोगेसी के जरिए समीषा की मां बनी है। वर्क फ्रंट की बात करें तो शिल्पा के पास 2 फिल्म है, जिनकी शूटिंग में वो बिजी थी। लॉक डाउन के बाद फिर से फिल्मों की शूटिंग स्टार्ट होगी ।इनमें एक तो हंगामा का सीक्वल है और दूसरी फिल्म है निकम्मा ।शिल्पा शेट्टी सेट से कई वीडियोज शेयर कर ऑडियंस को अपडेट देती रहती थी। अब बस हर किसी को इंतजार है लंबे अरसे के बाद शिल्पा को बड़े पर्दे पर देखने का।

नेहा कक्कड़ ने किया कमाल, दुनियाभर के इंटरनेशनल सिंगर्स को पछाड़ते हुए यूट्यूब पर बनाया ये रिकॉर्ड

नेहा न सिर्फ अपने गानों बल्कि अपने ड्रेसिंग सेंस की वजह से काफी सुर्खियां बटोरती हैं। वह सोशल मीडिया पर जबरदस्त एक्टिव रहती हैं।

बॉलीवुड की फेमस सिंगर नेहा कक्कड़ ने अपने सिंगिंग करियर में कई हिट गानें दिए हैं। नेहा अपने गानों की वजह से फैंस के दिलों पर राज करती हैं। नेहा न सिर्फ अपने गानों बल्कि अपने ड्रेसिंग सेंस की वजह से काफी सुर्खियां बटोरती हैं। वह सोशल मीडिया पर जबरदस्त एक्टिव रहती हैं। इसी बीच उन्होंने कुछ ऐसा किया है, जिसके बारे में जानकर आपको भी उन पर गर्व महसूस होगा। नेहा कक्कड़ ने दुनियाभर के इंटरनेशनल सिंगर्स को पछाड़ते हुए एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है, जो कि भारतीयों के लिए काफी खुशी की बात है। इसी नए रिकॉर्ड के साथ ही वह इंटरनेशनल स्टार भी बन गई हैं। दरअसल, एक्स एक्ट्स चाट्र्स ने हाल ही में एक लिस्ट जारी की है। एक्स एक्ट्स चाट्र्स की इस लिस्ट में ऐसी महिलाओं के बारे में बताया गया है, जिन्हें साल 2019 में यूट्यूब पर दुनियाभर में सबसे ज्यादा देखा गया है। आपको जानकर खुशी होगी कि नेहा एक्स एक्ट्स चाट्र्स की इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। फैंस के लिए इससे बड़ी खुशी और क्या होगी कि नेहा कक्कड़ ने कई इंटरनेशनल स्टार्स को पीछे छोड़ते हुए यह रैंकिंग हासिल की है। एक्स एक्ट्स चाट्र्स की लिस्ट की बात करें तो इस लिस्ट में पहले नंबर पर जगह बनाई है कार्डी बी ने। जिन्हें 4.8 बिलियन व्यूज मिले हैं। वहीं नेहा कक्कड़ को 4.5 बिलियन व्यूज मिले हैं। जिसके साथ वह दूसरे नंबर पर हैं। नेहा ने इस लिस्ट में सेलेना गोमेज, बिली एलिस, माइली सायरस, ब्लैकपिंक, केरल जी, निकी मिनाज और ग्रैंड जैसे पॉपुलर सिंगर्स को पछाड़ने के बाद यह जगह बनाई है। इस बात की जानकारी नेहा कक्कड़ ने इंस्टग्राम के जरिए फैंस के साथ शेयर की है। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने अपने फैंस से इस खुशी को जाहिर किया। नेहा का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस लगातार उन्हें बधाई दे रहे हैं।

रणधीर शर्मा ने किया कोरोना यौधाओं को सम्मानित

अभिषेक मिश्रा ब्यूरो

बिलासपुर। पूर्व विधायक एवं प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता रणधीर शर्मा ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मारकंड में तैनात स्टाफ को माँ नैना देवी जी का समिति चिन्ह देकर सम्मानित किया ! रणधीर शर्मा ने बीएमओ मारकंड डा श्याम वर्मा , एमओ इंचार्ज डा अनुपमा , वार्ड सिस्टर , स्टाफ नर्स , आशा वर्कर , हेल्थ वर्कर , सहित पुरे स्टाफ को सम्मानित किया ! इस मौके पर रणधीर शर्मा ने इन कोरोना यौधाओ पर पुष्पवर्षा भी की ! रणधीर शर्मा ने इन यौधाओ से कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपको कोरोना यौधाओ की संज्ञा दी है आप सब लोगो की वजह से हम सुरक्षित है ! कोरोना वायरस को लेकर जहां सभी लोग अपने घरो में बैठे है वही आप लोग इस वक्त अपने परिवार को छोड़ कर अपनी जान की परवाह न करते हुए दिन रात ड्यूटी दे रहे है जिसके लिए आपका हार्दिक आभार ! उन्होंने कहा की आपके सम्मान में प्रधानमंत्री ने कहाँ सेना के विमानों से आप पर पुष्पवर्षा करके आपका आभार व्यक्त किया है तो वहीँ भाजपा ने भी यह फैसला लिया है कि आप कोरोना यौधाओ को समिति चिन्ह देकर सम्मनित किया जायेगा ! इसी कड़ी में आज आपको सम्मानित कर आपका आभार व्यक्त कर रहे है ! इस मौके पर रणधीर शर्मा के साथ भाजपा के प्रदेश कार्यकरिणी सदस्य दौलत राम ठाकुर , समाजसेवी एवं भाजपा की वरिष्ठ कार्यकर्तृता अंजना चंदेल , पूर्व बीडीसी चेयरमैन अधिवक्ता अमर सिंह ठाकुर , जुखाला पंचायत प्रधान अनीता ठाकुर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कृषि उपज मंडी बन्द करने के लिए व्यापार मंडल ने दिया आवेदन

व्यापार मंडल अध्यक्ष व सचिव को इसकी जानकारी नही

मोहन मांझी

गोहद व्यापार मंडल के लैटर हेड पर कृषि उपज मंडी के कुछ व्यापारियों द्वारा कोरोना सक्रमण को देखते हुए कृषि उपज मंडी में नीलामी, बोली प्रकिया स्थगित करने का पत्र मंडी सचिव को सोपा है। पत्र के अनुसार देश मे कोरोना सक्रमण की रफ्तार बढ़ने के साथ ही जिले व तहसील में सक्रमण का खतरा जा रहा है। गत दिवस जिले में भी एक मरीज के सकर्मित होने की पुष्टि हुई है। उसका एक साथी गोहद का बताया जा रहा है। अन्य

प्रांतों से भी अत्यधिक संख्या में मजदूर गोहद में प्रवेश कर चुके है। इसके कारण मंडी प्रांगण में सक्रमण का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसलिए व्यापारियों ने मंडी नीलामी का कार्य लोक डाउन अवधि तक बन्द करने का निर्णय लिया है। लेकिन हैरत की बात यह है कि व्यापार मंडल के लैटर हेड पर दिए गए आवेदन के बारे में व्यापार मंडल के अध्यक्ष व सचिव को कोई जानकारी नही है। आवेदन के सम्बंध में जब व्यापार मंडल के अध्यक्ष जगदीश गुप्ता व सचिव सुरेश बोहरे से बात की गई तो उन्होंने आवेदन के बारे में जानकारी नही है कि बात कही और कहा कि न ही हमने व्यापार मंडल के ऐसे किसी आवेदन ओर हस्ताक्षर किए है तो सोचने वाली बात यह कि बिना अध्यक्ष व सचिव की जानकारी के व्यापार मंडल का लैटर हेड का प्रयोग किस व्यापारी ने किया।

इनका कहना है

व्यापार मंडल के लैटर हेड पर कुछ व्यापारियों ने मंडी नीलामी बन्द करने का आवेदन दिया है जिसे मेने एसडीएम के लिए भेज दिया है। वैसे मंडी में हम शासन द्वारा बताए गए सभी माप दण्डो का प्रयोग कर रहे है व व्यापारियों को सब सुविधा उपलब्ध करा रहे है। वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश अनुसार आगे की कार्यवाही की जाएगी।

राकेश सिंह यादव सचिव कृषि उपज मंडी गोहद

अगले हफ्ते इन जिलों में होने वाली है भयंकर बारिश...

केशब पडित जी अम्बाह

भोपाल/मुरैना...। आने वाले सप्ताह में मध्य प्रदेश को तपती गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। मौसम वैज्ञानिकों ने राज्य के मौसम को लेकर संभावनाएं जताई है कि आने वाले सप्ताह में सूबे के कई जिलों में बारिश हो सकती है। वहीं कई जिलों में गरज-चमक के साथ बौछारें या तेज हवा चलने की वैज्ञानिकों ने संभावनाएं जताई हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि कई जिलों का पारा थोड़ा गिर सकता है, लेकिन जिन इलाकों में बारिश नहीं होगी वहां गर्मी अपने तेवर दिखाती रहेगी। मौजूदा स्थिती में प्रदेश के ज्यादातर जिलों का पारा 40 डिग्री के पार पहुंच चुका है।

जून-जुलाई में चरम पर जा सकती है-मध्य प्रदेश के ग्वालियर चम्बल संभाग में गर्मी चरम पर है। यहां का तापमान अन्य जिलों के मुकाबले बढ़ा हुआ है। प्रदेश में सबसे ज्यादा तापमान खरगौन में दर्ज किया गया। खरगौन में मई की शुरूआत में ही पारा 44 डिग्री पहुंच गया है। राजधानी भोपाल का तापमान भी 40.2 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने आशंका जताई है कि आने वाले दिनों में खरगौन में पारा और अधिक बढ़ सकता है। मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान रीवा, सागर, जबलपुर, शहडोल, भोपाल, उज्जैन, होशंगाबाद, ग्वालियर और चंबल संभागों के जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश दर्ज की गई और इंदौर संभाग के जिलों का मौसम शुष्क रहा है, जबकि कोलारस में एक सेमी बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग का अनुमान-मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक बंगाल की खाड़ी से नमी का जमाव और ऊपरी वायुमंडलीय परिस्थितियां अनुकूल होने के कारण अगले 2 से 3 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत और पूर्वी भारत में अधिकांश स्थानों पर बारिश होने के आसार नजर आ रहे हैं। आने वाले 24 घन्टों के दौरान पश्चिम हवाओं और नम पूर्वी हवाओं के बीच संगम क्षेत्र के कारण पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और उत्तर-पश्चिम के निकटवर्ती मैदानों में कुछ स्थानों पर बौछारों के साथ चमक पड़ने की संभावनाएं बन रही हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक चंबल संभाग के जिलों में तथा उमरिया, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, छतरपुर, टीकमगढ़, शिवपुरी, ग्वालियर और दतिया जिलों में कहीं-कहीं बारिश होगी। इसके अलावा कुछ जिलों में गरज-चमक के साथ बौछारें भी पड़ सकती हैं। इन इलाकों में से कुछ स्थानों पर ओले गिरने की भी संभावना से इनकार नहीं किया गया है।

यहां बदलेगा मौसम-मौसम केन्द्र भोपाल के कुछ जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। केन्द्र का अनुमान है कि प्रदेश के लगभग 15 जिलों में गरज-चमक के साथ तेज हवा चल सकती है। हवा की रफ्तार भी 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। जिन इलाकों में गरज-चमक के साथ तेज हवा चलेगी उनमें चंबल संभाग के जिलों के साथ उमरिया, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, छतरपुर, टीकमगढ़, शिवपुरी, ग्वालियर और दतिया शामिल हैं।

थाना बहोड़ापुर पुलिस ने 02 चोरों को मय

4 लाख 5 हजार रू. व एक गाडी सहित किया गिरफ्तार

ग्वालियर। 09.05.2020-पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री नवनीत भसीन,भापुसे के निर्देशानुसार ग्वालियर जिले में नकबजनों व चोरों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकशहर-मध्यश्री पंकज पाण्डे एंव नगर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री नागेन्द्र सिंह सिकरवारने अपने अधीनस्थ सभी थाना प्रभारियों को चोरोंकी धरपकड़ हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के निर्देष दिये।

दिनांक 10.04.2020 को फरियादी संजय कुमार गुप्ता ने थाना बहोडापुर में उपस्थित होकर सूचना दी थी कि दिनांक 09/10.04.2020 की दरमियानी रात को उसके आर.एस.ट्रेडर्स नाम के गोदाम से 96 राजश्री गुटखा की बोरियां चोरी हो गई है। जिस पर से थाना बहोडापुर पुलिस द्वारा तीन चोर शहीद,समीर,आषिक खान निवासीगण शंकरपुर को गिरफ्तार कर लिया गया था। चोरी के अहम मुख्य आरोपी आमिर खान, व राबिल खान फरार चल रहे थे। जिनकी तलाष की जा रही थी। दिनांक 07.05.2020 को नगर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री नागेन्द्र सिंह सिकरवार को जरिये मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि विगत दिनों थाना बहोडापुर क्षेत्र स्थित

ट्रांसपोर्ट नगर में हुई चोरी की वारदात के दो आरोपीगण ट्रांसपोर्ट नगर के पास चोरी के माल को खपाने की फिराक में घूम रहे है। उक्त सूचना पर से नगर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने थाना प्रभारी बहोडापुर उनि दिनेष सिंह को मय थाना बल के मुखबिर के बताये स्थान पर दबिष देने के लिये निर्देषित किया गया। थाना प्रभारी बहोडापुर की टीम ने मुखबिर के बताये स्थान की घेराबंदी कर दो लोगों को धरदबोचा। पकडे गये लोगों से पूछताछ करने पर उन्होने अपने नाम राबिल खान पुत्र वहिदा खान उम्र 22 बर्ष निवासी शंकरपुर बहोडापुर व आमिर खान पुत्र अजीज खान उम्र 25 वर्ष निवासी सिगौरा थाना पुरानी छावनी ग्वालियर बताये।सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों चोरों ने ट्रांसपोर्ट नगर में हुई चोरी की वारदात को कुबूल किया। गिरफ्तार चोरों को थाना बहोडापुर के चोरी के प्रकरण में माननीय न्यायालय के समक्ष पेष किया जाकर माल बरामदगी हेतु 02 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया था। आज दिनांक 09.05.2020 को पुलिस रिमांड के दौरान दोनों चोरों की निषादेही पर चोरी का माल खपाने के उपरांत मिले 04 लाख 05 हजार रूपयोंके साथ घटना में प्रयुक्त गाडी को भी बरामद कर लिया गया है।

सराहनीयभूमिका-उक्तचोरों को गिरफ्तार करने मे थानाबहोडापुर के उनि0 दिनेष सिंह, इंदरसिंह राठौर, लियाकत अली,प्रआर अभिलाख सिंह आर लोकेन्द्र तोमर, अनूप गुर्जर, एंव सायबर सेल से आर. विष्वीर जाट की सराहनीय भूमिका रही है।

शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मोहन मांझी

गोहद श्रीनगर हंदवाड़ा में शनिवार रात को आतंकियों से हुई मुठभेड़ में सेना के 21 राष्ट्रीय राइफल्स कमांडिंग ऑफीसर कर्नल आशुतोष सहित अन्य जवानों ने हंदवाड़ा के चागी मुल्ला गांव में आतंकियों द्वारा बंधक बनाए गए घर में लोगों को छुड़ाने के लिए मोर्चा संभाला और आतंकियों से लोहा लेते हुए 5 जवान शहीद हो गए जिसमें मेजर आशुतोष शर्मा, मेजर अनुज स्थानीय पुलिस के इस्पेक्टर शकील काजी एक लॉन्स नाईक और राइफलमैन उस मुठभेड़ में लड़ते हुए शहीद हो गए उनकी शहादत पर गोहद चौराहे पर मोमबत्ती कैंडल मार्च जला कर के अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि गोहद जनपद पंचायत के अध्यक्ष पति अशोक सिंह गुर्जर के द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई उनके साथ संजीव गुप्ता हिमांशु तोमर दीपक कुशवाह गोलू श्रीवास नीरज हो जा बेटू गुर्जर सभी साथी गण उपस्थित थे।

कोरोना जैसी महामारी में घूम रहे खुलेआम युवक

पुष्पांजली टुडे

सतना। नगर परिषद न्यू रामनगर की सभी प्रकार की दुकानें खुली हैं होटल वाले बैठा कर नाश्ता चाय करवा रहे हैं जो मजदूर बाहर से आते हैं वह होटल में बैठकर कर समोसा चाय खाकर हॉस्पिटल जाते है सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं कर रहे हैं नहीं मास लगाते हैं पुलिस प्रशासन से अनुरोध है अमरपाटन में भी करोना मरीज मिला है उसके साथ रामनगर के 30 लोग आए हैं और वह रामनगर में पूरी तरह घूम रहे हैं कलेक्टर साहब से अनुरोध है रामनगर पूरी तरह लॉक डाउन होना चाहिए । अगर नही हुआ पूरी तरह से लॉकडाउन तो सतना जिले के लिए बहुत बड़ा खतरा आ सकता है प्रसासन से अनुरोध है कि रामनगर को पूरी तरह लॉकडाउन किया जाए ।अमरपाटन वाले युवक के साथ 30 लोग रामनगर के आये है जोकि घूम रहे है।

अम्बाह अस्पताल रैन बसैरा मे दो पॉजीटिब के शक मे बन्द जॉच आने पर ही घर भेजा जायेगा...

अम्बाह। सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि जिले में जो व्यक्ति कोरोना से पॉज़िटिव पाये गये थे उनके ही साथ दो लोग अम्बाह के आये थे जो अभी रैन बसैरा अम्बाह मे कौनोटाइजर कर अन्दर रखे गये है इन को देखते हुए कोरोना वायरस कोविड 19 के संक्रमण से बचाव एवं फैलने से रोकने हेतु जिले के व संपूर्ण अम्बाह क्षेत्र में लॉकडाउन की स्थिति दिनांक 17.05.2020 तक यथावत रहेगी। इस लॉकडाउन की अवधि में अति आवश्यक वस्तुओं की दुकानें समयाबधी के साथ-साथ एक एक दिन छोड कर खुलेगी जिनका जो समय निर्धारित किया है उसी समय तक खोले अन्यथा कारबाही नश्चित समझे सभी से निबेदन है कृपया बाहर न निकलें, घर पर ही रहें तथा सुरक्षित रहें।

क्षत्रिय महासभा ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती मनाई

अमित शर्मा रिपोर्टर

ग्वालियर / गोला का मंदिर ग्वालियर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के समस्त पदाधिकारियों ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर गंगाजल से अभिषेक किया । रोली चंदन से तिलक कर पुष्पमाला पहनाई व मिठाई बांटकर जयंती मनाईएवं कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए क्षत्रिय महासभा के कर्मवीरों ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के मुंह पर मास्क बांधकर लोगों से मास्क पहनने की अपील की वहीं शासन-प्रशासन को आगाह किया कि एक और जहां हमारे मंदिरों और स्कूलों को बंद करके आप दारु शराब की दुकानों को खोल कर महामारी को आमंत्रित करने के खिलाफ रोष प्रकट किया....श्री सुरेंद्र सिंह तोमर जी राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के नेतृत्व में विशेष रुप से शिवपाल सिंह बड़े भैया राष्ट्रीय मंत्री श्याम सिंह तोमर जी राष्ट्रीय सचिव जितेन सिंह कुशवाहा जी संभागीय अध्यक्ष अशोक सिंह तोमर जी जिलाध्यक्ष रघु भदोरिया जी प्रदेश संगठन मंत्री रामराज सिंह भदोरिया जिला उपाध्यक्ष धनेद्र सिंह चौहान प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र सिंह चौहान प्रवक्ता मीडिया प्रभारी विपिन सिंह तोमर प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रचारमंत्री सुधीर सिंह राठौर संभागीय अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह तोमर जी जिला उपाध्यक्ष धर्मराज सिंह तोमर जी जिला महामंत्री सोनू भदोरिया जिला उपाध्यक्ष सुमित चौहान जिला मंत्री उपस्थित रहे।

बैक एवं जनसेवा केन्द्र पर नहीं हो रहा सोशल डिस्टसिंग का पालन उड़ाई जारही जमकर धज्जियां

केशब पंडित जी अम्बाह

अम्बाह। भारतीय स्टेट बैक व ग्राहक सेबा केन्द्रो पर लॉकडाउन की खुलेआम धज्जियॉ उडाई जारही है कैन्द्र सरकार द्वारा जनधन खाते में पैसा भेज दिये जाने पर रूपये निकालने बाली महिलायो की सुबह 9ः00 बजे से ही लम्बी कतार लग जाती है मिली जानकारी के अनुसार अम्बाह तहसील क्षेत्र के पोरसा चोराहा व कब्रिस्तान के सामने व बगल मे ग्राहक सेबा केन्द्र पर केन्द्र रकार द्वारा जनधन खाते व उज्जवला योजना के गैस भरबाने के लिये धनराशि महिलाओ के खाते में भेजी गई है जिसे निकालने के लिये सुबह 9ः00 बजे से ही महिलाओ का आना शुरू होजाता है लाइन में खडी होती महिलाये चिपक चिपक कर खडी होती है डिस्टेसिंग का कोई ध्यान नही दिया जाता है जबकि बहॉ पर बैक का गार्ड तथा अम्बाह थाने की पुलिस डूयुटी पर मुस्तैदी से तैनात रहते है उनका भी कि महिलाये पुरूष कहना नही मानते है जबकि जिला प्रसासन कोरोना बाइरस बीमारी को खत्म करने के लिये रात दिन एक कर रहा है अम्बाह थाना प्रभारी शिबसिह यादव के द्वारा बैक पर कई बार लॉकडाउन उल्लंघन करने बाली महिलाओ को कई बार दूर दूर खडे होने के निर्देश देने के बाद भी अपनी आदत से बाज नही आरहै आखिर पुलिस भी करे तो क्या करे यह तस्बीर देखकर लगता है कि जनता पुलिस पर भारी पड़ रही है।

समिति सह सचिव अलपेन्द्र जादौन ओर संस्थापक

विनोद तोमर ने स्वयं जाकर जरूरत मन्द लोगों को राशन दिया

हेमन्त आर्य

ग्वालियर। दिव्यांशी शिक्षा क्रांति समिति द्वारा आज देश में जिस प्रकार से कोरो ना वायरस फैला हुआ है और देश में लॉक डाउन हो चुका है जिस कारण रोजमर्रा की आय से अपना जीवन यापन कर रहे व्यक्तियों का जीना दुर्लभ हो गया है अब ना तो वह कहीं रोजगार पर जा सकते हैं और ना ही अपने परिवार को भोजन खिला सकते हैं और ना ही अपने परिवार का जीवन यापन सही ढंग से कर पा रहे हैं ओर इसी बजह से वाहर घूम रहे जानवरो को भोजन भी प्राप्त नही हो पा रहा है। उन्हें हमारी समिति द्वारा राशन प्रदान किया जाता है जिसमें 2 किलो चावल 2 किलो आटा और 500 ग्राम दाल, 1द्मद्द नमक, ओर जरूरत पड़ने पर कभी कभी एक परिवार को पूरा राशन प्रदान किया है, हमारी समिति लॉक डाउन से अभी तक लगभग 4100 से अधिक से अधिक राशन के पैकेट अथवा 3200 भोजन के पैकेट लोगों के मध्य वितरित कर चुकी है और ग्वालियर के अधिज से अधिक जानवरों को टोस्ट ओर बिस्किट खिला चुके है हमारी समिति ने इंन पैकटो को वितरित करते समय सोशल डिस्टेंस का पूर्ण रूप से ख्याल रखा है और अपनी सुरक्षा का भी ख्याल रखा है और लोगों को भी इस बीमारी से बचने के के लिए प्रेरित किया है हमारी समिति नवीन , प्रियंका झा, प्रीति, विनोद तोमर, प्रदीप, सौरव, सत्येंद्र चौहान,संतोष जी, धर्मेंद्र सर, छवि कुशवाह, शैलेन्द्र सर, लक्की सर, यष सर, सत्येंद्र राठौर सर, सूरज सर, मोनू, मनीष, पिंटू, शिवानी, रमा कुशवाह, राजन, अनिकेत, यशराज, अलपेन्द्र, विनोद तोमर, पिंटू, संजय सर जीव एकता फाउंडेशन सचिव दिल्ली* समिति सदस्य कार्य कर रहे हैं और विशेषकर यह कार्य बिना सरकारी सहयोग से किया जा रहा है । यह कार्य किसी एक विशेष स्थान पर नही अलग अलग स्थान पर वितरित किये जा रहे है । इसमे सहयोग कर्ता माननीय सुनील शर्मा जी, देश के सैनिक, समाज के नागरिक, आदि के सहयोग से कार्य किया जा रहा है। जरूरत मन्द के लिए समिति ने हेल्पलाइन नम्बर- 8878361100, 82690-45484 निकाले है।

दक्षिण कोरिया फुटबॉलः कोरोना के बीच खाली स्टेडियम में खेला गया के-लीग सीजन का पहला मैच, जियोनबुक ने सुवॉन का 1-0 हराया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दक्षिण कोरिया में आज से के-लीग की शुरूआत हो गई है। कोरोनावायरस के बीच शुरू होने वाला यह पहला फुटबॉल टूर्नामेंट है। खाली स्टेडियम में खेले गए सीजन के पहले मैच में मौजूद चैम्पियन जियोनबुक मोटर्स ने सुवॉन ब्लूविंग्स को 1-0 से हरा दिया है। के-लीग के इस सीजन का पहला गोल जियोनबुक मोटर्स के लिए ली डोंग-गूक ने किया। यह सफलता उन्होंने मैच के 83वें मिनट में हासिल की। मैच में सबसे 59 प्रतिशत पजेशन सुवॉन के पास रही, लेकिन टीम का कोई भी खिलाड़ी इसका फायदा नहीं उठा सका। यह मुकाबला जियोन्जू स्टेडियम में होगा। 2002 में जब कोरिया और जापान ने संयुक्त रूप से फुटबॉल वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी तो इस शहर में मुकाबला हुआ था। तीन दिन पहले ही देश में प्रोफेशनल बेसबॉल लीग शुरू हुई है।

- के-लीग के इस सीजन का पहला गोल जियोनबुक मोटर्स के लिए ली डोंग-गूक ने किया
- पहली बार 20 देशों में मुकाबले लाइव दिखाए जा रहे, यू-ट्यूब पर भी स्ट्रीमिंग की गई

पिछले साल 6 देशों में मैच लाइव दिखाया गया था: दुनियाभर के फुटबॉल फैन्स के लिए अच्छी खबर है कि इस मुकाबले के अलावा बाकी सभी मैच की यू-ट्यूब और ट्वीटर पर लाइव स्ट्रीमिंग होगी। इसके अलावा पहली बार 20 देशों में मुकाबले लाइव दिखाए जाएंगे। इसमें जर्मनी,स्विटजरलैंड और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इस बार लीग ने इन देशों के बड़े ब्रॉडकास्टर्स से लाइव मैच दिखाने का करार किया है। पिछले साल सिर्फ 6 देशों को भी के-लीग के राइट्स बेचे गए थे और सभी एशिया महाद्वीप के ही थे। हर मैच से पहले खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ का तापमान चेक किया जाएगा। पहले मैच में भी यही किया गया। अगर यह 37.5 डिग्री सेल्सियस (99.5 फारेनहाइट) से ज्यादा हुआ तो संबंधित खिलाड़ी या स्टाफ को आइसोलेट किया जाएगा और उनका कोरोना टेस्ट होगा। प्री-मैच प्रैक्टिस सेशन में भी खिलाड़ी एकदूसरे से हाथ नहीं मिला सकेंगे। उन्हें दूर से सिर झुकाकर एकदूसरे का सम्मान करने की इजाजत है।

विदेशों में मैच दिखाने से के-लीग की लोकप्रियता बढ़ेगी

इस मौके पर के-लीग के प्रवक्ता ली जॉन्ग ने कहा कि कॉम्पीटिटिव फुटबॉल के बावजूद के-लीग की दुनिया में पहचान उतनी बुलंद नहीं थी। इसकी एक वजह यह भी थी कि हमारे पास अंतरराष्ट्रीय दर्शक नहीं थे। लेकिन इस बार 20 देशों में मुकाबले लाइव दिखाए जाएंगे। इससे के-लीग पॉपुलर होगी।

खिलाड़ियों का मेडिकल परीक्षण होगा

लीग में सभी टीमों को सेफ्टी गाइडलाइन का पालन करना होगा। खिलाड़ियों को गोल के बाद जश्न मनाने की छूट नहीं होगी और न ही वे एक-दूसरे से बात कर सकेंगे। सभी मुकाबले बिना दर्शकों के खाली स्टेडियम में ही होंगे। इसके अलावा, खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और मैच ऑफिशियल्स का मेडिकल परीक्षण होगा।

महिला फुटबॉलर फोमिंर्गा ने पीएसजी से अनुबंध बढ़ाया

पेरिस। ब्राजील की अनुभवी फुटबालर फोमिंर्गा ने पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) क्लब से एक साल के लिए महिला टीम के साथ अपना अनुबंध बढ़ाया है। 42 साल की फोमिंर्गा ने इसी के साथ ही अपना खेल जारी रखना तय किया है। ब्राजील की ओर से रिकार्ड 198 मैच खेलने वाली इस मिडफील्डर को इस नये करार के बाद अब 2021 तक फ्रांस पीएसजी में ही रहना होगा। फोमिंर्गा को उम्मीद है कि वह टोक्यो ओलंपिक तक खेलकर अपने करियर का समापन करेगी ओलंपिक खेल कोरोना वायरस महामारी के कारण एक साल के लिये स्थगित कर दिये गये थे।

आकाश ने टी20 विश्व कप के लिए घोषित की टीम, धोनी और शिखर को नहीं मिला अवसर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर और अब कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने आईसीसी टी-20 विश्व कप के लिए अपनी 14 सदस्यीय टीम बनायी है। हैरानी की बात ये है कि चोपड़ा ने अपनी इस टीम में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को शामिल नहीं किया है। धोनी पिछले साल विश्व कप के बाद से ही खेल से दूर चल रहे थे जबकि धवन भी चोट और अपने खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं। कोरोना संक्रमण के कारण आईपीएल पहले ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया है। चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में 14 क्रिकेटरों का चयन किया है। उन्होंने इस टीम में चार मुख्य तेज गेंदबाजों और दो ऑल राउंडरों हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे को भी शामिल किया है। इस टीम में रोहित शर्मा, केएल राहुल को सलामी बल्लेबाज के रूप में शामिल किया है। चोपड़ा की इस टीम में तीसरे नंबर पर विराट कोहली बल्लेबाजी करने आएंगे। इसके बाद युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत खेलेंगे। हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे को भी गेंदबाजी ऑल राउंडर के रूप में शामिल किया है। पांड्या का अंतिम ग्यारह में चुना जाना तय है, पर शिवम का नहीं है। उन्हें केवल तभी अवसर मिलेगा, जब पांड्या किसी वजह से नहीं खेल पाएं। तीसरे ऑल राउंडर के तौर पर रवींद्र जडेजा को टीम में जगह दी गयी है। युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव के रुप में दो स्पिनर शामिल किये गये हैं। वहीं चार तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी को इस टीम में शामिल किया गया है।

आकाश की 14 सदस्यीय आईसीसी टी-20 विश्वकप 2020 टीम इस प्रकार है

रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी।

सुनील शेट्टी ने टी20 क्रिकेट विश्व कप के लिए चुनी अपनी टीम

मुंबई ■ एजेंसी

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी लॉकडाउन के दौरान पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के साथ एक चैट शो का हिस्सा बने हैं और उस शो में उन्होंने इसी साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम घोषित की। शेट्टी ने इस टीम में सलामी जोड़ी की जिम्मेदारी रोहित शर्मा और केएल राहुल को सौंपी है। वहीं नंबर तीन के लिए कप्तान विराट कोहली को रखा है। मध्य क्रम के लिए श्रेयस अय्यर और पूर्व कप्तान महेन्द सिंह धोनी को शामिल किया है। इस बॉलीवुड अभिनेता ने कहा कि टीम में धोनी अहम हिस्सा है और वह उनके बिना टीम इंडिया के बारे में सोच भी नहीं सकते।

ऑलराउंडर के तौर पर उन्होंने हार्दिक पंड्या, विजय शंकर और रवींद्र जडेजा को रखा है। इस अभिनेता ने जडेजा की प्रशंसा करते हुए मैदान पर उनकी एनर्जी की भी जमकर तारीफ की। वहीं ऋषभ पंत के लिए सुनील शेट्टी ने कहा कि वह काफी प्रतिभाशाली है, मगर उन्हें लगता है कि ऋषभ को करीब 4 से 5 किलो वजन घटाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह सकारात्म चीज है। वहीं उन्होंने विराट के लिए कहा कि उनकी आक्रामकता और पैशन युवाओं के दिमाग को बदल देती है। स्पिनर के तौर पर युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव को शामिल किया गया है जबकि तेज गेंदबाज के तौर पर मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर और भुवनेश्वर कुमार को शामिल किया है।

|बीसीसीआई कोषाध्यक्ष धूमल ने कहा|

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया 2 हफ्ते के लिए क्वारैंटाइन होने को तैयार, टी-20 वर्ल्ड कप अब होना बेहद मुश्किल

- बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने कहा- आईपीएल 2020 के फॉर्मेट पर अभी कोई विचार नहीं किया जा रहा है
- इस साल ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में टी-20 वर्ल्ड कप होगा, इसके बाद भारत 4 टेस्ट और 3 वनडे की सीरीज खेलेगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने कहा है कि इस साल के आखिर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया 2 हफ्ते के लिए क्वारैंटाइन होने को तैयार है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई अखबार सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से यह बात कही। धूमल ने कहा, "कोई और विकल्प नहीं है... भारतीय टीम को क्वारैंटाइन में रहना ही होगा। अगर आपको क्रिकेट को फिर से शुरू करना है तो ऐसा करना ही होगा। दो हफ्ते का समय लॉकडाउन जितना लंबा नहीं है।

उन्होंने सीरीज में 1 टेस्ट बढ़ाने के ऑस्ट्रेलियाई प्रस्ताव पर कहा- वे (ऑस्ट्रेलिया) रेवन्यू चाहते हैं और यह टेस्ट के मुकाबले वनडे और टी-20 से ज्यादा आता है। भारतीय टीम को नवंबर-दिसंबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 4 टेस्ट और 3 वनडे की सीरीज खेलना है। इस दौरान टीम इंडिया को 42 मिलियन डॉलर (करीब 323 करोड़ रुपए) से तैयार हुई नई ओवल होटल में ठहराया जा सकता है। कोरोनावायरस की वजह से 138 रूम के इस होटल को खिलाड़ियों के लिए आइसोलेशन सेंटर के तौर पर इस्तेमाल करने का प्रस्ताव रखा गया है।

टी-20 वर्ल्ड होना मुश्किलः धूमल

उन्होंने इस साल 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर कहा कि इस पर कोरोनावायरस का खतरा मंडरा रहा है। इस टूनार्मेंट का होना फिलहाल मुश्किल नजर आ रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने कोरोनावायरस की वजह से अपने यहां 6 महीने तक विदेशियों के आने पर रोक लगा रखी है। ऐसे में कोई भी टीम वहां नहीं जा सकती है। हालांकि, अच्छी खबर यह है कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मई के अंत में प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं। ऐसे में देश में क्रिकेट के लौटने की उम्मीद मजबूत हुई है।

आईपीएल को लेकर कोई प्लान नहीं बनाया

बोर्ड कोषाध्यक्ष ने आईपीएल को लेकर कहा कि अब तक इसके लिए कोई फॉर्मेट या प्लान नहीं बनाया गया है। टूनार्मेंट के लिए विदेशी खिलाड़ियों को भी आना है। क्या वे इसके लिए तैयार होंगे और 2 हफ्ते अलग (क्वारैंटाइन) रह सकेंगे? इसके बाद भी वे आईपीएल में खेल पाएंगे या नहीं, यह कह पाना मुश्किल है। फिलहाल, हमने आईपीएल को लेकर कुछ नहीं सोचा है, जो कुछ खबरें चल रही हैं, वे मीडिया की सोची हुई हैं। बीसीसीआई ने 29 मार्च से होने वाले आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया है।

स्टेडियम में दर्शकों के बगैर मैच हो सकते हैं, लेकिन रोमांच की कमी महसूस होगी: कोहली

कोरोनावायरस (कोविड-19) के बाद खेल को पटरी पर लाने के लिए सभी क्रिकेट बोर्ड बगैर दर्शकों के मैच कराने का विकल्प तलाश कर रहे हैं। इसको लेकर भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कहा कि बगैर दर्शकों के क्रिकेट हो सकता है, लेकिन स्टेडियम में रोमांच और जादुई अहसास की कमी महसूस होगी। दरअसल, कोरोना महामारी के कारण आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। कोहली ने स्टार स्पोर्ट्स के क्रिकेट कनेक्टेड शो में कहा, बगैर दर्शकों के मैच होना संभव है। ईमानदारी से कहूं तो मैं नहीं जानता की सभी लोग इसे किस तरह से लेंगे, क्योंकि हम सब दर्शकों से भरे मैदान में खेलने के आदी हो गए हैं। इस साल अक्टूबर-नवंबर में टी-20 वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया में होना है, जिस पर कोरोना संकट के बाद छाए हुए हैं।

यह मैच भी अच्छे जज्बे के साथ होंगे: भारतीय कप्तान ने कहा, मैं जानता हूं यह मैच भी बहुत अच्छे जज्बे के साथ खेले जाएंगे, लेकिन दर्शकों का खिलाड़ियों से जुड़ाव का अनुभव और स्टेडियम में मैच का तनाव जिससे हर कोई महसूस करता है, इन सभी को लाना बहुत मुश्किल है। चीजें यूं हीं चलती रहेंगी, लेकिन मुझे शक है कि कोई भी वह जादू महसूस कर पाएगा, जो स्टेडियम के माहौल में बनता है। कोहली ने 86 टेस्ट में 7240, 248 वनडे में 11867 और 81 टी-20 में 2794 रन बनाए हैं। उनके नाम आईपीएल के 177 मैच में 5412 रन हैं।

मैक्सवेल और एलेन बोर्डर इसके पक्ष में नहीं: इससे पहले इंग्लिश खिलाड़ी बेन स्टोक्स, जेसन रॉय, जोस बटलर के अलावा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पैट कमिंस भी खाली स्टेडियम में मैच कराने की बात कह चुके हैं। यदि इसके विरोध की बात करें तो ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और पूर्व खिलाड़ी एलेन बोर्डर समेत कई खिलाड़ी इस तरह से मैचों कराने के पक्ष में नहीं हैं।

वित्तीय वर्ष 2021 में 0 फीसदी रह सकती है भारत की जीडीपी ग्रोथ

मुंबई ■ एजेंसी

मूडीज इनवेस्टर्स सर्विस ने शुक्रवार को बताया कि वित्तीय वर्ष 2021 में भारत की जीडीपी ग्रोथ जीरो फीसदी रह सकती है। हालांकि इसके बाद ग्रोथ में सुधार आएगा और वित्तीय वर्ष 2022 में जीडीपी की ग्रोथ 6.6 फीसदी रहने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी ने संकेत दिया कि फिलहाल बीएए 2 नेगेटिव रेटिंग में अपग्रेड की कोई सूरत नजर नहीं आ रही है। कोरोना वायरस संकट के कारण देशभर में 25 मार्च से लॉकडाउन लागू है। आर्थिक गतिविधियां पूरी तरह ठप हैं जिसकी वजह से जीडीपी की ग्रोथ कमजोर हुई है। मूडीज ने शुक्रवार को अपनी एक रिपोर्ट में लिखा है कि नेगेटिव आउटलुक से साफ है कि आर्थिक गतिविधियां काफी कमजोर हो चुकी हैं। कोरोनावायरस संक्रमण की वजह से लॉकडाउन है और कामकाज रुका हुआ है जिससे संस्थागत कमजोरी बढ़ गई है। इससे कंपनियों पर कर्ज का बोझ बढ़ गया है। मूडीज ने नवंबर 2019 में इंडिया की रेटिंग डाउनग्रेड करते हुए स्टेबल से नेगेटिव कर दिया था। कमजोर आर्थिक ग्रोथ की वजह से इंडिया की रेटिंग डाउनग्रेड हुई थी। मूडीज ने उस वक्त बीएए2 रेटिंग दी थी। बीएए2 रेटिंग में से ए2 इकोनॉमिक स्ट्रेंथ के लिए है। जबकि बीएए3 इंस्टीट्यूशनल और गवर्नेंस स्ट्रेंथ के लिए माना जाता है।

अमेरिकी कंपनी विस्टा इक्विटी पार्टनर्स ने 11,367 करोड़ रुपए में जियो प्लेटफॉर्म की 2.32% हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका की प्राइवेट इक्विटी फर्म विस्टा इक्विटी पार्टनर्स ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के डिजिटल प्लेटफॉर्म जियो प्लेटफॉर्म में 2.32 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है। यह सौदा 11,367 करोड़ रुपए में हुआ है। यह निवेश जियो प्लेटफॉर्म्स के इक्विटी मूल्य 4.91 लाख करोड़ रुपए और एंटरप्राइज वैल्यू 5.16 लाख करोड़ रुपए पर किया गया है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। रिलायंस जियो में हिस्सेदारी खरीदने वाली विस्टा अब दूसरी बड़ी कंपनी बन गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन ने कहा कि विस्टा का एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। यह दुनिया भर के बड़े विशिष्ट टेक निवेशकों में से एक है। हमारे अन्य भागीदारों की तरह विस्टा भी हमारे साथ समान विजन साझा करती है। जो सभी भारतीयों के लाभ के लिए भारतीय डिजिटल ईको सिस्टम को विकसित करने और ट्रांसफॉर्मेशन का विजन है। मुकेश का कहना है कि प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी ताकत सभी के लिए एक बेहतर भविष्य की चाभी है।

विश्व की पांचवीं बड़ी एंटरप्राइजेज सॉफ्टवेयर कंपनी है विस्टा

विस्टा इक्विटी पार्टनर्स के पास 57 बिलियन डॉलर से ज्यादा का अनुमानित कैपिटल कमिटमेंट्स हैं। इसका ग्लोबल नेटवर्क इसे विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी एंटरप्राइजेज सॉफ्टवेयर कंपनी बनाता है। मौजूदा समय में विस्टा के पोर्टफोलियो की कंपनी भारत में कारोबार कर रही हैं जिनमें 13 हजार से ज्यादा कर्मचारी कार्यरत हैं। मुकेश अंबानी आरआईएल को कर्जमुक्त कंपनी बनाना चाहते हैं। इसी के तहत जियो प्लेटफॉर्म की हिस्सेदारी बेची जा रही है।

राज्य सरकारें जल्द करेंगी शराब की होम डिलीवरी का ऐलान!

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोना वायरस लॉकडाउन में शराब की दुकानों पर उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए लगभग सभी प्रमुख राज्य शराब की होम डिलीवरी शुरू करने की योजना पर काम कर रहे हैं और कुछ राज्य जल्द ही इससे जुड़े कुछ उपायों का ऐलान कर सकते हैं। यह दावा शराब इंडस्ट्री के लिए लॉबिंग करने वाली इंटरनेशनल स्प्रिट्स ऐंड वाइंस असोसिएशन ऑफ इंडिया आईएसवीवीआई के चेयरमैन अमृत किरण सिंह ने किया है। सिंह ने बताया कि आईएसवीवीआई ने इस मामले पर चर्चा के लिए सभी राज्य सरकारों के पास अपने प्रतिनिधि भेजे हैं। आईएसवीवीआई के सदस्यों में डियाजिओ, बकार्डी, पेर्नो रिकार्ड और एलवीएमएच जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं और देश में बिकने वाली कुल स्प्रिट्स और वाइन में इनका करीब 80 फीसदी योगदान है। सिंह ने बताया कि इस समय सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करते हुए अल्कोहल की बिक्री करने की जरूरत है। हमारी सदस्य कंपनियां उत्पादन और वितरण को फिर से शुरू करने में व्यस्त हैं। हमने सभी राज्यों से सोशल डिस्टेंसिंग को बरकरार रखने के लिए बात की है और हमने उनसे कहा है कि अगर अल्कोहल सरकारी राजस्व के लिए जरूरी है तो उन्हें रिटेल काउंटरों से बोझ कम करने और इसकी होम डिलीवरी करने की जरूरत है। सिंह वर्ल्ड स्प्रिट्स अलायंस के वाइस चेयरमैन भी हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकारें इसे समझ चुकी हैं और असम से केरल तक सभी प्रमुख राज्य इस पर काम कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे कुछ राज्यों ने इस संबंध में ऐलान भी कर दिया है।

कोरोना संकट — बिना वेतन छुट्टी पर भेजेंगे कर्मचारी, लॉकडाउन की शुरुआत से ही सभी घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें बंद हैं

इंडिगो कर्मचारियों के वेतन में मई से करेगी कटौती जुलाई तक कुछ को बिना सैलरी छुट्टी पर भेजेगी कंपनी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंडिगो ने अप्रैल महीने के लिए वेतन कटौती के संबंध में अपनी नीति पर पीछे जाने के बाद आखिरकार अपने कर्मचारियों के लिए मई, जून और जुलाई के महीनों के लिए लीव विदाउट पे (बिना वेतन के छुट्टी) के तहत वेतन कटौती की घोषणा की है। इंडिगो के सीईओ रोनोजॉय दत्ता ने कर्मचारियों को एक मेल लिखकर कहा है कि मई के महीने से पे-कट लागू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। हमें मई, जून और जुलाई के लिए बिना वेतन के सीमित, श्रेणीबद्ध लीव विदाउट पे कार्यक्रम लागू करना होगा। बता दें कि कोविड-19 संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए देशभर में 25 मार्च से लॉकडाउन है। इसके चलते लोगों की आवाजाही पर पाबंदी है। विमानन उद्योग को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। ईमेल के मुताबिक दत्ता ने कहा, 'हमने मार्च और अप्रैल में कर्मचारियों का पूरा वेतन दिया। अब हमारे पास मूल रूप से घोषित वेतन कटौती को मई 2020 से लागू करने के सिवाय कोई विकल्प नहीं बचा है।' उन्होंने आगे कहा कि लीव विदाउट पे कर्मचारी के ग्रुप के आधार पर 1.5 से 5 दिनों तक होगा। इस पूरी प्रक्रिया में हम ये ध्यान रखेंगे कि हमारे 'ए' श्रेणी के कर्मचारियों पर कोई प्रभाव ना पड़े जो हमारे कार्यबल का सबसे बड़ा हिस्सा भी हैं।

लॉकडाउन की शुरूआत से ही सभी घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें बंद हैं

इंडिगो के अलावा, उसके सभी समकक्ष कंपनियों जैसे स्पाइसजेट और गो-एयर ने या तो वेतन में कटौती की है या बड़ी संख्या में अपने कर्मचारियों को बिना वेतन के छुट्टी पर भेज दिया है। कोविड़-19 के कारण पैदा हुए संकट के कारण एयरलाइंस को गंभीर नकदी संकट का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मार्च में लॉकडाउन की शुरूआत के बाद से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों उड़ान को निलंबित कर दिया गया है। दत्ता ने कहा है कि हमने मार्च और अप्रैल के महीनों के लिए सभी कर्मचारी को वेतन का भुगतान किया है, लेकिन अब मुझे लगता है कि हमारे पास मूल रूप से घोषित किए गए मई महीने से वेतन कटौती के कार्यक्रम को लागू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

उबर को पहली तिमाही में 2.9 अरब डॉलर का घाटा, विदेशी बाजारों में कंपनी के निवेश का मूल्य 2.1 अरब डॉलर गिरा

- बाइक और स्कूटर कारोबार 'जंप' को 'लाइम' के हाथ बेच रही है कंपनी
- उबर ने की है 14 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की घोषणा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

एप आधारित परिवहन सेवा प्रदाता कंपनी उबर को चालू कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में 2.9 अरब डॉलर का घाटा हुआ। नए कोरोनावायरस की महामारी के कारण विदेशी बाजारों में कंपनी के निवेश पर बहुत बुरा असर हुआ है। बैलेंस शीट को ठीक रखने के लिए कंपनी कॉस्ट कटिंग के रास्ते पर चल रही है और अपने फूड डिलीवरी कारोबार पर ध्यान दे रही है।

कंपनी ने गुरुवार (भारतीय समय के अनुसार शुक्रवार सुबह) को कहा वह अपने बाइक और स्कूटर कारोबार 'जंप' को बेच रही है। जंप की बिक्री लाइम को की जाएगी। लाइम में उबर 8.5 करोड़ डॉलर का निवेश कर रही है। जंप को एक तिमाही में करीब 6 करोड़ डॉलर का घाटा हो रहा था। उबर के सीईओ दारा खोसरोशाही ने एक बयान में कहा कि महामारी के कारण हमारा परिवहन कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। अपने बैलेंसशीट को ठीक रखने के लिए हमने तुरंत कदम उठाए हैं और उबर ईट्स में अधिक संसाधन लगाया है। फूड डिलीवरी कारोबार में तेजी दिख रही है। इसके साथ ही बाजार फिर से खुल रहा है। इससे हम उत्साहित हैं।

3,700 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रही है उबर

सैन फ्रांसिस्को की कंपनी उबर ने बुधवार को कहा था कि वह 3,700 पूर्णकालिक कर्मचारियों को नौकरी पर से हटा रहा है। यह संख्या उबर के कुल कर्मचारियों का 14 फीसदी है। अमेरिका में उबर की मुख्य प्रतियोगी कंपनी लिफ्ट ने पिछले महीने कहा था कि मांग में गिरावट के कारण वह 982 कर्मचारियों (कुल कर्मचारियों का 17 फीसदी) को नौकरी से हटा रही है। पश्चिम एशिया में उबर की सहायक कंपनी करीम ने अपने 31 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है।

दैनिक
पुष्पांजली टुडे

मिला-जुला

ग्वालियर, रविवार, 10 मई 2020

लॉकडाउन में भी नहीं रुक रहा रेत का अवैध परिवहन

नायब तहसीलदार ने रेत से भरे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त, रेस्ट हाउस में रखवाए, आखिर किसकी अनुमति से जारी है रेत का परिवहन

दबोह(अर्पित गुप्ता) कोरोना वायरस संक्रमण के चलते जहां जनता अपने घरों में कैद गई तो वहीं रेत के ठेकेदार अपना अवैध धंधा जोरो से संचालित कर रहे हैं।मामला दबोह का है जहां पर शनिवार की सुबह 06 बजे रेत से भरे हुए रोड पर दौड़ रहे थे जिन्हें शिकायत मिलने पर तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली को नायब तहसीलदार राजेन्द्र मौर्य,राजस्व निरीक्षक मुन्ना लाल जमोरिया और पटवारी ने जब्त कर रेस्ट हाउस में कार्यवाही कर रखवाया गया।यहां बताना मुनासिब होगा कि यह रेत का अवैध परिवहन नगर दबोह में जोरो से संचालित किया जा रहा है जिसका प्रमाण रात्रि में 10 बजे के बाद सड़क पर तेज रफ्तार से दौड़ते हुए ट्रेक्टर है जो रेत का परिवहन जोरो से कर रहे हैं।आखिर समझ से परे है कि यह रेत का अवैध परिवहन दतिया जिले के सेंवढ़ा से जारी है जो कि धड़ल्ले से बिना किसी रोक टोक के चल रहा है जबकि देखा जाए तो सेंवढ़ा से दबोह तक कुल चार थाने पड़ते हैं फिर भी यह रेत का परिवहन कैसे जारी है।आखिर किस की सह पर रेत का यह अवैध परिवहन जोरो से जारी है..?

फिलहाल तो देखना यह है कि शनिवार को तीन ट्रैक्टरों पर नायब तहसीलदार महोदय के द्वारा की गई कार्यवाही के बाद आगे भी निरन्तर ऐसे ही कार्यवाही की जावेगी या फिर रेत का परिवहन जारी रहेगा।।

कॉमन सर्विस सेंटर एवं एमपी ऑनलाइन के कियोस्क से भी जमा कर सकते हैं बिजली बिल

ग्वालियर। वैश्विक महामारी कोविड-19 के परिप्रेक्ष्य में लॉक डाउन प्रभावी होने के कारण एमपी ऑनलाइन के कियोस्क एवं कॉमन सर्विस सेंटर से बिजली बिल जमा करने का कार्य बंद था। राज्य शासन के निर्देशानुसार अब सभी कियोस्क पर उपभोक्ता बिल जमा कर सकते हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि लॉक डाउन-3 लागू होने के बाद रेड, आरेंज एवं ग्रीन जोन के सभी स्थानों पर बिजली बिल भुगतान के लिए एमपी ऑनलाइन के कियोस्क एवं कॉमन सर्विस सेंटर ने काम करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा कंपनी कार्यक्षेत्र में सभी ए.टी.पी. मशीन एवं सभी बिजली बिल भुगतान केंद्रों का संचालन भी प्रारंभ कर दिया गया है। बिजली उपभोक्ताओं से अपील है कि निर्धारित सुरक्षा मानदंडो का उपयोग (जैस-दूरी बनाए रखना, मास्क का उपयोग आदि) करते हुये बिल जमा करने की व्यवस्था का लाभ लें।

शहीद की बेटी बनी सब इंस्पेक्टर

पंकज त्रिपाठी राज्य ब्यूरो प्रमुख

गृह तथा लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज उज्जैन की फाल्गुनी पाल से वीडियो कॉलिंग द्वारा बात कर सब इंस्पेक्टर बनने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार गृह विभाग द्वारा उन्हें सब इंस्पेक्टर के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई है। अगले सप्ताह वह अपने कर्तव्य पर उपस्थित होकर अपने परिवार की जिम्मेदारी के साथ समाज, प्रदेशवासियों की सेवा और विभागीय दायित्वों के साथ जिम्मेदारियों का निर्वाहन प्रारंभ कर सकती है।

मंत्री डॉ. मिश्रा ने बताया कि कोविड-19 के संकट काल में उज्जैन के नीलगंगा थाने में पदस्थ रहे थाना प्रभारी श्री यशवंत पाल अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए शहीद हो गए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के निर्देशानुसार उनकी सुपुत्री फाल्गुनी पाल को अनुकम्पा नियुक्ति दी गई है।

डॉ. सिकरवार ने वार्ड 19 की झुग्गी झोपड़ी में करीब 950 गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री वितरण की

ग्वालियर। गरीबों की मदद करने वाली षहर की सक्रिय सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास की ओर से आज करीब 950 गरीब परिवार जो कि झुग्गी झोपडीओं में निवास करते है को न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने खाद्यय् सामग्री का वितरण किया। यह वितरण नगर निगम के वार्ड क्रमांक 19 के मालू सेल्स के पीछे रचना नगर झुग्गी झोपडी, ष्याम नगर, कुंज विहार फेस 1, सब्जी मण्डी के पीछे झुग्गी झोपडी, पिन्टू पार्क रोड लोहपीटा मौहल्ला एवं अन्य क्षेत्रों में किया गया। डॉ. सिकरवार ने खाद्यय सामग्री का वितरण करते हुये कहा कि क्षेत्र में कोई भी परिवार मेरे होते हुये भूखा नही रहेगा, इस आपदा के समय में मैं आपका बेटा, आपका भाई आपके साथ खड़ा हुआ हूॅ और मैं आपको विष्वास दिलाता हूॅ कि हम सब मिलकर इस कोरोना महामारी को हरायेंगे। डॉ. सिकरवार ने कहा कि कोविड-19 (कोरोना) वायरस के कारण जनता को काफी परेषानियों का सामना करना पड़ रहा है, निर्धन परिवारों के घर का चूल्हा उनकी रोजाना की जाने वाली मजदूरी से जलता है और वर्तमान में पूरे देष में चल रहे लॉकडाउन की वजह से हर तरह का कार्य ठप हो चुका है। लेकिन अगर हमारे माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी देष को लॉकडाउन नही करते तो कोरोना महामारी हमारे देष को निगल जाती, आप सभी लोगों को टी.वी. और अखबार के माध्यम से यह पता चल रहा होगा कि दुनिया के षक्तिषाली देष भी इस महामारी के आगे घुटने टेक चुके है। डॉ. सिकरवार ने कहा कि हम खुद को और अपने परिवार को इस बीमारी से तभी बचा सकते है जब इस लॉकडाउन का पालन पूरी ईमानदारी से करें। डॉ. सिकरवार ने खाद्यय् सामग्री वितरण करते हुय लोगों को कोरोना वायरस से बचने के उपायों के बारे में बताया। खाद्यय् वितरण करते हुये डॉ. सिकरवार के साथ जितेन्द्र कुषवाह, छोटू तोमर, प्रमोद जैन, अवधेष कौरव, राजेन्द्र राठी, लोकेन्द्र प्रजापति आदि मौजूद रहे।

नोवेल कोरोना वायरस

निगम चलायेगा रविवार को सभी 66 वार्डों में संक्रमण की रोकथाम हेतु विशेष अभियान

ग्वालियर। नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिये ग्वालियर शहर के सभी 66 वार्डों में नगर निगम द्वारा रविवार को चलाया जायेगा विशेष अभियान । नगर निगम का अमला सम्पूर्ण मशीनरी के साथ स्वच्छता के साथ-साथ हर वार्ड में सेनेटाइजेशन का कार्य करेगा। शहर में निगम द्वारा सफाई के साथ-साथ सेनेटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य को और प्रभावी रूप से करने के लिये निगम द्वारा विशेष अभियान प्रारंभ किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन ने शहर में नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिये विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस अभियान से सभी वार्डों में सफाई के साथ-साथ सार्वजनिक स्थलों, पार्कों, शासकीय भवनों के साथ-साथ निजी भवनों में भी सेनेटाइजेशन का कार्य किया जायेगा। निगम के अमले के साथ-साथ वार्ड के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संस्थाओं के लोगों से भी इस विशेष अभियान में सहयोग करने की अपील की गई है। नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन ने बताया कि नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिये पूर्व से ही निगम द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अभियान चलाकर सफाई के साथ-साथ सेनेटाइजेशन का भी कार्य निरंतर किया जा रहा है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के निर्देश पर शहर के सभी 66 वार्डों में रविवार को विशेष अभियान चलाकर कार्य किया जायेगा। अपर आयुक्त नगर निगम श्री नरोत्तम भार्गव ने बताया कि विशेष अभियान में नगर निगम का सम्पूर्ण सफाई अमला कार्य करेगा। इसके साथ ही नगर निगम की 15 जेटिंग मशीन, 25 फॉगिंग मशीन, 3 फायर ब्रिगेड, 2 सक्शन मशीन के साथ ही 150 हाथ से संचालित पम्प मशीनों का उपयोग किया जायेगा। अभियान के तहत पूरे वार्ड में कचरा संग्रहण, साफ-सफाई के साथ-साथ सेनेटाइजेशन का कार्य भी दिनभर किया जायेगा। इसके माध्यम से हर वार्ड को नोवेल कोरोना के वायरस से मुक्त करने का प्रयास किया जायेगा।

कलेक्टर ने की अपील-कलेक्टर ग्वालियर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने नगरवासियों से अपील की है कि नोवेल कोरोना के वायरस से बचने के लिये सावधानी बरतें। इसके साथ ही निगम द्वारा चलाए जा रहे अभियान में भी सहभागी बनें। उन्होंने यह भी अपील की है कि नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने का एक मात्र तरीका उससे सावधानी ही है। कोई भी व्यक्ति बिना कार्य के घर के बाहर न निकले। घर से बाहर निकलते समय हर व्यक्ति अनिवार्यत~ मास्क का उपयोग करे। अपने हाथ नियमित रूप से धोए।

स्टेण्ड अलोन शॉप्स का आशय स्पष्ट किया जाए : चेम्बर

ग्वालियर। स्टेण्ड अलोन शॉप्स का आशय स्पष्ट किए जाने हेतु म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा मुख्यमंत्री-श्री शिवराज सिंह जी चौहान, मुख्य सचिव-मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश पुलिस को पत्र प्रेषित किया गया है। चेम्बर अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया है कि देश में कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन 17 मई तक बढाया गया है7 लॉकडाउन के दौरान जिलों को ग्रीन, ऑरेंज व रेड जोन में बांटा गया है। लॉकडाउन अवधि के लिए जारी एडवाइजरी में स्टेण्ड अलोन शॉप्स की बात कही गई है। ''स्टेण्ड अलोन शॉप्स'' का आशय जिसके ऊपर कोई अन्य शॉप न हो, यही आशय विशेषज्ञों द्वारा भी बताया गया है7 जबकि ग्वालियर जिले के प्रशासन द्वारा इसका आशय-किसी मौहल्ले अथवा कॉलोनी में स्थित एक शॉप से लगाया जा रहा है, जिसके आस-पास कोई अन्य दुकान न हो। वहीं ग्वालियर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा इस संबंध में संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया जा रहा है, जिससे ग्वालियर जिले में दुकानों के खुलने में काफी परेशानी आ रही है7 वहीं पुलिस प्रशासन का रवैया असंवेदनशील होने से लोगों में आक्रोश उत्पन्न हो रहा है। चेम्बर ने पत्र में उल्लेख किया है कि जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश के उपरांत पुलिस प्रशासन द्वारा जारी मौखिक आदेश के कारण भी लोगों को काफी परेशानी हो रही है7 इसका उदाहरण आज देखने को मिला7 पुलिस प्रशासन द्वारा दिनांक 9 मई के लिए धारा-144 के तहत जो आदेश जारी किया गया था, उसमें जो दुकानें निर्धारित समय तक खुलना थी, उन्हें निर्धारित समय से पूर्व ही पुलिस द्वारा वरिष्ठ अधिकारी का मौखिक आदेश बताकर समय पूर्व बंद करा गया और आदेश न मानने पर पुलिस बल द्वारा अपमानजनक व्यवहार भी किया गया। चेम्बर ने पत्र के माध्यम से मांग की है कि ''स्टेण्ड अलोन शॉप्स''के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं ताकि इसका आशय स्पष्ट हो सके और दुकानें खुलने में आ रही परेशानी दूर हो सके7 साथ ही, पुलिस प्रशासन को यह निर्देशित किया जाए कि वह जिला प्रशासन के आदेश को समझने के उपरांत ही अपने अधीनस्थों को दिशा-निर्देश जारी करें।

11 मई से होगा दूरदर्शन पर शैक्षिक कार्यक्रम क्लास रूम का प्रसारण

ग्वालियर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिये लागू किये गए लॉक डाउन की अवधि में प्रदेश के विद्यार्थी अपने घर पर नियमित अध्ययन कर सकें, इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सोमवार 11 मई से विशेष शैक्षिक टीवी कार्यक्रम क्लास रूम प्रारंभ किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रति सप्ताह 5 दिन सोमवार से शुक्रवार, दिन में दो बार प्रसारित होगा। जिससे प्रदेश के विद्यार्थी दूरदर्शन के माध्यम से, घर पर रहते हुए नियमित अध्ययन कर सकेंगे। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस कार्यक्रम को दूरदर्शन के सहयोग से, 10वीं एवं 12वीं कक्षाओं के लिये विषयगत अवधारणों पर तैयार किया है। जिसमें 1 घंटे की समयावधि में विषय की कठिन अवधारणाओं पर रोचक वीडियोज़ का समावेश होगा। प्रति दिन दोपहर 12 से 1 बजे तक कक्षा 10वीं के लिए तथा दोपहर 3 से 4 तक कक्षा 12वीं के लिए कार्यक्रम प्रसारित किये जायेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा, इन दूरदर्शन कार्यक्रमों के अलावा भी रेडियो, वाट्सएप एवं लोकल केबल टीवी के माध्यम से कक्षावार और विषयवार रोचक शैक्षिक सामग्री भी विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही है। विद्यार्थी इन सभी कार्यक्रमों के माध्यमों से अपनी पढ़ाई को नियमित रखें। साथ ही विभाग ने पालकों से भी अपेक्षा की है कि, वे कार्यक्रम प्रसारण के समय पर बच्चों को रेडियो, टी.वी., मोबाइल का उपयोग करने दें और बच्चों को घर पर ही अध्ययन के अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराएं।

जीवन मैं आगे बढ़ने के लिए क्यों,क्या,कैसे काम करना है पता होना चाहिए : उमंग श्रीधर

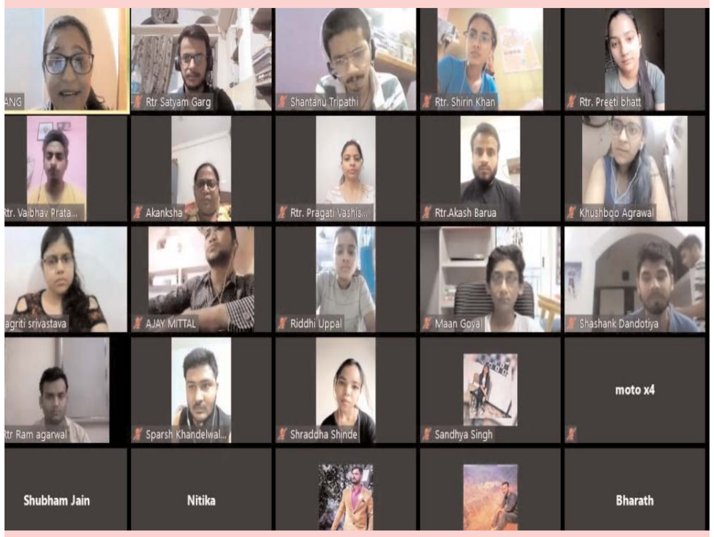

कृतिका राठौड़

ग्वालियर रोट्रेक्ट क्लब ऑफ ग्वालियर रीगल द्वारा आयोजित वेबिनार मैं फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया की 2019 की लिस्ट मैं उपस्थित खादीजी की संस्थापक उमंग श्रीधर शामिल हुई उमंग का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को यह दिखाना है कि उन्हें पारंपरिक खादी के कपड़े बुनना और स्पिन करना है और सामग्री मुद्रण के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग करना है। भारत के एक छोटे से गाँव किशनगंज जो कि बुंदेलखंड में पली-बढ़ी श्रीधर ने इन कठिन क्षेत्रों में महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम करने की ठानी। वेबिनार मैं उमंग ने कहा हमें अपने जीवन के उद्देश्य के साथ आगे बढ़ना और अपने पैशन फॉलो करना चाहिए तब हम हर लक्ष्य को आसानी से पा सकते है अभी लॉकडाउन के समय मैं भी उमंग ने भोपाल की चालीस महिलाओं के साथ मास्क बनाने का काम कर रही है और इस कठिन परिस्थिति में भी महिलाओं को रोजगार दे रही है इस वेबिनार मैं भारत के विभिन्न शहरों के युवा शामिल रहे इस वेबिनार का संचालन रोट्रेक्ट रीगल क्लब सदस्य सत्यम गर्ग और आभार व्यक्त क्लब अध्यक्ष आकाश बरूआ ने किया इस अवसर पर क्लब के गजेंद्र भदौरिया ,मोनिका गहलोत ,खुशबू अग्रवाल ,प्रगति वशिष्ठ ,श्रद्धा सिंदे सहित सभी क्लब सदस्य मौजूद रहे।

आवश्यकता है

Delivery Boy की, अगर आपकी नजर में किसी को जॉब की जरूरत हो तो आप सम्पर्क कर सकते हैं, या उसे बता सकते हैं।

सैलरी: 10500/- + Petrol

9425823988

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478